सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 280 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 23 जुलाई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

बजट में सरकार ने रोजगार के लिए खोला पिटारा

चार करोड़ से ज्यादा युवाओं को फायदा

नईदिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट पेश किया। इस दौरान उन्होंने देश के युवाओं के लिए रोजगार का पिटारा खोल दिया। इस बजट से देश के 4 करोड़ से ज्यादा युवाओं को रोजगार का तोहफा मिल सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बजट में सरकारी की नौ प्राथमिकताएं हैं, जिनमें खेती में उत्पादकता, रोजगार और क्षमता विकास, समग्र मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, अधोसरंचना, नवाचार, शोध और विकास और अगली पीढ़ी के सुधार शामिल हैं।

वित्त मंत्री ने संसद के निचले सदन में बजट भाषण पढ़ते हुए कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि अभी भी शानदार अपवाद बनी हुई है और आने वाले वर्षों में भी ऐसी ही रहेगी। भारत की मुद्रास्फीति कम और स्थिर बनी हुई है तथा 4त्न के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मुझे 2 लाख करोड़ रुपये के केंद्रीय परिव्यय के साथ 5 वर्षों में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सुविधा के लिए 5 योजनाओं और पहलों के प्रधानमंत्री पैकेज की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इस वर्ष हमने शिक्षा, रोजगार और कौशल के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

पूरी होगी पोलावरम सिंचाई परियोजना

हमारी सरकार ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम में प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए प्रयास किए हैं। राज्य की पूंजी की आवश्यकता को समझते हुए, हम बहुपक्षीय एजेंसियों के माध्यम से विशेष वित्तीय सहायता की सुविधा प्रदान करेंगे। चालू वित्त वर्ष में, भविष्य के वर्षों में अतिरिक्त राशि के साथ 15,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था की जाएगी। हमारी सरकार पोलावरम सिंचाई परियोजना के शीघ्र पूरा होने और वित्तपोषण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है जो आंध्र प्रदेश और उसके किसानों के लिए जीवन रेखा है।

सुपर क्रिटिकल तकनीक पर आधारित थर्मल प्लांट का निर्माण

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, 'एनटीपीसी और बीएचईएल के बीच एक संयुक्त उद्यम एयूएससी (उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल) प्रौद्योगिकी का उपयोग करके 100 मेगावाट का वाणिज्यिक ताप विद्युत संयंत्र स्थापित किया जाएगा।' देश में छोटे और मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टरों के विकास पर, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, 'भारत छोटे रिएक्टरों की स्थापना, भारत छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के अनुसंधान और विकास और परमाणु ऊर्जा के लिए नई प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान और विकास के लिए सरकार निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी करेगी।'

बुनियादी ढांचे के विकास पर सरकार का फोकस

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण निवेश किए गए हैं। बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पूंजीगत व्यय के लिए 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए गए हैं। यह हमारे सकल घरेलू उत्पाद का 3.4त्न होगा। निजी क्षेत्र द्वारा बुनियादी ढांचे में निजी निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा और इसके लिए वित्तपोषण और सक्षम नीतियां बनाई जाएंगी।'

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना चरण 4 का शुभारंभ किया जाएगा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, '25,000 ग्रामीण बस्तियों को सभी मौसमों के अनुकूल सड़कें प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना चरण 4 का शुभारंभ किया जाएगा। बिहार में अक्सर बाढ़ आती रहती है। नेपाल में बाढ़ नियंत्रण संरचनाओं के निर्माण की योजना अभी तक आगे नहीं बढ़ पाई है। हमारी सरकार 11,500 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। असम, जो हर साल बाढ़ से जूझता है, उसे बाढ़ प्रबंधन और संबंधित परियोजनाओं के लिए सहायता मिलेगी। बाढ़ के कारण व्यापक नुकसान झेलने वाले हिमाचल प्रदेश को भी बहुपक्षीय सहायता के माध्यम से पुनर्निर्माण के लिए समर्थन मिलेगा। इसके अतिरिक्त, उत्तराखंड, जिसे भूस्खलन और बादल फटने से काफी नुकसान हुआ है, उसे आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।

धार्मिक पर्यटन बढ़ाने पर सरकार का जोर

पर्यटन के विकास पर केंद्र सरकार का विशेष ध्यान है। बोधगया के महाबोधि मंदिर के लिए कॉरिडोर निर्माण का एलान किया गया है। गया के विष्णुपद मंदिर के लिए कॉरिडोर बनेगा। यह काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के विकास पर आधारित होंगे। राजगीर भी बौद्ध और जैन श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण हैं। राजगीर के तीर्थ क्षेत्रों का भी विकास होगा। नालंदा को भी पर्यटन केंद्र के रूप में मजबूत करने के लिए वहां विकास जाएगा।

युवाओं को रोजगार और कौशल विकास पर ध्यान

सरकार की नौ प्राथमिकताओं में से एक है रोजगार और कौशल विकास। इसके तहत पहली बार नौकरी करने वालों को बड़ी मदद मिलने जा रही है। फॉर्मल सेक्टर में पहली बार नौकरी की शुरुआत करने वालों को एक महीने का वेतन दिया जाएगा। यह वेतन डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए तीन किस्तों में जारी होगा। इसकी अधिकतम राशि 15 हजार रुपये होगी। ईपीएफओ में पंजीकृत लोगों को यह मदद मिलेगी। योग्यता सीमा एक लाख रुपये प्रति माह होगी। इससे 2.10 करोड़ युवाओं को फायदा होगा। सरकार रोजगार में प्रवेश करने वाले 30 लाख युवाओं को भी फायदा देने जा रही है। यह फायदा भविष्य निधि यानी पीएफमें एक महीने के योगदान के रूप में होगा।

युवाओं को टॉप-500 कंपनियों में इंटर्नशिप का मौका

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा कि 'सरकार एक करोड़ युवाओं को अगले पांच साल में टॉप-500 कंपनियों में इंटर्नशिप का मौका देगी। यह इंटर्नशिप 12 महीने की होगी। इसमें युवाओं को कारोबार के वास्तविक माहौल को जानने और अलग-अलग पेशे की चुनौतियों से रूबरू होने का मौका मिलेगा। इसके तहत युवाओं को हर महीने पांच हजार रुपये का भत्ता भी दिया जाएगा। यही नहीं, उन्हें एकमुश्त मदद के रूप में छह हजार रुपये दिए जाएंगे। कंपनियों को अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत प्रशिक्षण का खर्च और इंटर्नशिप की 10 फीसदी लागत को वहन करना होगा।'

बिहार के पीरपैंती में 2400 मेगावाट का नया बिजली संयंत्र बनेगा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, '21,400 करोड़ रुपये की लागत से बिहार के पीरपैंती में 2400 मेगावाट का नया बिजली संयंत्र स्थापित करने सहित बिजली परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। बिहार में नए हवाई अड्डे, मेडिकल कॉलेज और खेल बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाएगा। बहुपक्षीय विकास बैंकों से बाहरी सहायता के लिए बिहार सरकार के अनुरोधों पर शीघ्रता से काम किया जाएगा।

नई कर प्रणाली में स्टैंडर्ड डिडक्शन 50 से बढ़कर 75 हजार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने अंतरिम बजट भाषण के दौरान टैक्सेशन से जुड़ा कोई बड़ा बदलाव नहीं किया था। हालांकि, उन्होंने करीब एक करोड़ लोगों को टैक्स से जुड़े लाभ होने की बात कही थी। इस बार वित्त मंत्री ने आयकर से जुड़े एलान करते हुए नई कर प्रणाली में तीन से सात लाख रुपये तक 5 प्रतिशत कर का प्रावधान किया है। वित्त मंत्री के अनुसार चार करोड़ लोगों को नई कर प्रणाली में 17,500 रुपये तक का लाभ होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'स्टैंडर्ड डिडक्शन को 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार किया गया। इसके अलावा 0 से 3 लाख तक कोई टैक्स नहीं देना होगा। 3 से 7 लाख रुपए तक 5 फीसदी, 7 से 10 लाख रुपए तक 10 फीसदी, 10 से 12 लाख रुपए तक 15 फीसदी। 12 से 15 लाख तक 20 फीसदी, 15 लाख से ज्यादा की सैलरी पर 30 फीसदी टैक्स लगेगा।

बजट में एलान के बाद ये चीजें होंगी सस्ती

- कैंसर से जुड़ी तीन दवाओं पर कस्टम ड्यूटी हटाई गई। एक्सरे ट्यूब और फ्लैट पैनल डिटेक्टर पर भी आयात शुल्क हटाया गया।
- मोबाइल फोन और पार्ट्स- पीसीबी और मोबाइल फोन चार्जर पर कस्टम ड्यूटी 15 फीसदी घटी।
- 25 आवश्यक खनिजों पर सीमा शुल्क नहीं।
- सोलर सेल और सोलर पैनल के निर्माण की वस्तु पर टैक्स में छूट।
- सोने और चांदी पर सीमा शुल्क घटाकर छह फीसदी किया गया।
- प्लैटिनम पर सीमा शुल्क घटकर अब 6.4 फीसदी हुआ।

इन चीजों के लिए चुकानी होगी ज्यादा कीमत

- पीवीसी फ्लेक्स बैनर का आयात करना महंगा होगा।
- कुछ दूरसंचार उपकरणों का आयात महंगा होगा। मेक इन इंडिया के तहत देश में बने सस्ते घरेलू उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए सरकार का एलान।
- एक साल से ज्यादा तक रखे गए इक्विटी निवेश महंगे होंगे। टैक्स 15 प्रतिशत से 20 प्रतिशत किया गया।
- एक साल से ज्यादा रखे गए शेयर महंगे होंगे। टैक्स 10 फीसदी से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत किया गया।

बाजार को रास नहीं आया बजट, सेंसेक्स 1000 अंक टूटकर संभला, निफ्टी 24,400 अंक से नीचे

केंद्रीय बजट से पहले घरेलू शेयर बाजार में हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सुबह 11 बजे लोकसभा में बजट पेश करेंगी। इससे पहले घरेलू बेंचमार्क इंडेक्स सकारात्मक ढंग से कारोबार करते दिख रहे हैं। सुबह नौ बजकर 36 मिनट पर सेंसेक्स 28.52 (0.03त्न) अंकों की बढ़त के साथ 80,555.17 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। दूसरी ओर, निफ्टी में 17.41 (0.07त्न) अंकों की मजबूती के साथ 24,526.65 के स्तर पर कारोबार होता दिखा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स में 200 अंकों की बढ़त दिखी जबकि निफ्टी 22550 के पार पहुंच गया पर ऊपरी स्तरों से बाजार में बिकवाली दिखी।

शिक्षा ऋण के लिए 10 लाख रुपये तक का मिलेगा लोन

सरकार देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा के लिए आर्थिक मदद देगी। शिक्षा ऋण पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'सरकार घरेलू संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख रुपये तक के ऋण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।' वित्त मंत्री ने कहा 'हमारी सरकार प्रधानमंत्री पैकेज के हिस्से के रूप में रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं के लिए तीन योजनाएं लागू करेगी। ये ईपीएफओ में नामांकन पर आधारित होंगी और पहली बार काम करने वाले कर्मचारियों की पहचान और कर्मचारियों और नियोक्ताओं को सहायता पर ध्यान केंद्रित करेंगी।'

बजट में कृषि क्षेत्र के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान

बजट में किसानों और कृषि क्षेत्र के 1.52 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस फंड से कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों के लिए योजनाएं बनाई जाएंगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'किसानों द्वारा खेती के लिए 32 खेत और बागवानी फसलों की 109 नई उच्च उपज वाली और जलवायु लचीली किस्में जारी की जाएंगी। अगले 2 वर्षों में, 1 करोड़ किसानों को प्रमाणीकरण और ब्रांडिंग द्वारा समर्थित प्राकृतिक खेती में शामिल किया जाएगा।'

पीएम गरीब कल्याण योजना को पांच साल के लिए बढ़ाया गया

वित्त मंत्री ने कहा 'हमने पीएम गरीब कल्याण योजना को 5 साल के लिए बढ़ाया। इससे 80 करोड़ से अधिक गरीबों को लाभ हो रहा। रोजगार, कौशल प्रशिक्षण के लिए पीएम की पांच योजनाओं के पैकेज की घोषणा। इससे पांच साल में 4 करोड़ 10 लाख युवाओं को लाभ होगा। इन योजनाओं पर दो लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। अंतरिम बजट में हमने विकसित भारत को रोडमैप को देने का वादा किया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'दिवालियापन एवं दिवालियापन संहिता के तहत परिणामों में सुधार के लिए एकीकृत प्रौद्योगिकी मंच स्थापित किया जाएगा। ऋण वसूली न्यायाधिकरणों को मजबूत किया जाएगा और वसूली में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त न्यायाधिकरण स्थापित किए जाएंगे।'

सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत

निशुल्क सौर बिजली योजना पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत की गई है, जिसके तहत छतों पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे, जिससे 1 करोड़ परिवारों को हर महीने 300 यूनिट तक निशुल्क बिजली मिल सकेगी। यह योजना इसे और बढ़ावा देगी।'

शिक्षकों के 78 हजार पद खाली

श्रीकंचनपथ

अस्पताल हो या स्कूल, सरकार की दिलचस्पी सिर्फभवन बनाने तक सीमित है। सरकार लगभग प्रत्येक वर्ष नए स्कूल-कॉलेज खोलने की घोषणा करती है। आडम्बर के साथ इसका भूमिपूजन और उद्घाटन होता है। भवन निर्माण के बजट में सबका हिस्सा जो होता है। ले देकर भवन बन जाता है और प्रवेश की घोषणा भी कर दी जाती है। इसके बाद आती है समस्या शिक्षक, व्याख्याता और स्टाफ की नियुक्ति की। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वीकार किया है कि प्रदेश के 300 स्कूल ऐसे हैं जहां कोई शिक्षक नहीं है जबकि 5500 स्कूल ऐसे हैं जहां एकल शिक्षक हैं। यह अकेला शिक्षक चार-पांच कक्षाओं को पढ़ाता है। अलग-अलग पढ़ाए तो दिन में प्रति कक्षा एक-एक ही पीरियड ही लग पाएगा। पर साथ ही उन्होंने दावा किया कि छत्तीसगढ़ में छात्र-शिक्षक अनुपात राष्ट्रीय अनुपात से बेहतर है। राष्ट्रीय स्तर पर जहां प्रत्येक 26 विद्यार्थी पर एक शिक्षक नियुक्त है वहीं छत्तीसगढ़ में 21 बच्चों पर एक शिक्षक का अनुपात है। फिर स्कूलों की ऐसी हालत क्यों? इसके लिए भी नेता और अफसर ही जिम्मेदार हैं। ऊटपटांग तबादला नीति के चलते लोग नेताओं की सिफारिश ले आते हैं और अपना तबादला शहरी क्षेत्र के स्कूल में करवा लेते हैं। कुछ स्कूल तो ऐसे हैं जो शहरी क्षेत्र से सटे होते हैं पर ग्रामीण क्षेत्र में आते हैं। इन स्कूलों में शिक्षकों की कभी कमी नहीं होती। इसी तबादला नीति के कारण गांव के स्कूल बिना शिक्षक के रह जाते हैं। इसलिए अनुपात की आंकड़ेबाजी का कोई मतलब नहीं है। हकीकत तो यही है कि शिक्षक गांव में जाकर रहना या पढ़ाना नहीं चाहते। कुछ शिक्षक शहरों से अप-डाउन करते हैं। अकसर लेट पहुंचते हैं और जल्दी भाग जाते हैं। कुछ ज्यादा साहसी लोग ऐवजी शिक्षक रख लेते हैं। ऐवजी शिक्षक उन्हें कहते हैं जो स्कूलों में पढ़ा रहे होते हैं। सरकार को इनकी खबर नहीं। इनका नाम भी कहीं नहीं। शिक्षक सरकारी वेतन लेता है और ऐवजी शिक्षक को उसी राशि में से वेतन देता है। पर बीएड-डीएड संघ की मानें तो सरकारी आंकड़े सही नहीं हैं। वास्तव में 700 स्कूल शिक्षक विहीन हैं और शिक्षकों के 78 हजार पद खाली हैं। ग्रामीण स्कूलों में शिक्षक टिकें इसके लिए परिवेश का निर्माण करना होगा। देहात के स्कूलों में यदि देहात के ही शिक्षक तैनात किये जाएं तो भगोड़ेपन में कमी आ सकती है। विद्यार्थियों के साथ ताल-मेल बैठाना भी उनके लिए आसान होगा। दूसरा मुद्दा है वेतन-भत्ते का। इसके लिए सरकार के पास शिक्षा कर्मी और संविदा नियुक्ति जैसे दो हथियार हैं जिससे शिक्षकों की कमी को बिना ज्यादा जिम्मेदारी ओढ़े भी पूरा किया जा सकता है। 2013-14 से 2017-18 के बीच शिक्षा का बजट 115 फीसदी बढ़कर 11998 करोड़ तक जा पहुंचा। पर बोर्ड परीक्षाओं में आशानुकूल परिणाम नहीं आए। आते भी कैसे, साल-दर-साल कृपोतीर्ण हुए बच्चे एकाएक होनहार कैसे हो जाते?

संपादकीय

कांवड़ और न्यायालय

सर्वोच्च न्यायालय ने पक्ष-विपक्ष में तर्क सुनने के बाद उस विवादास्पद आदेश पर शुक्रवार तक रोक लगा दी है, जिसमें कांवड़ यात्रा मार्ग पर भोजनालयों को मालिकों व कर्मचारियों के नाम प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने साफ कर दिया है कि खाद्य विक्रेताओं को मालिक, कर्मचारियों के नाम प्रदर्शित करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

> न्यायालय ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकारों को नोटिस भी दिया है। तय है, याचिकाकर्ता ने अपनी मजबूत दलीलों से सर्वोच्च न्यायालय से अपने अनुकूल अंतरिम आदेश प्राप्त कर लिया है और अब गेंद इन सरकारों के पाले में है, उन्हें अपने आदेश के बचाव में अकाट्य तर्क के साथ पेश होना पड़ेगा। दुकानों-ठेलों पर मालिक को नाम लिखने के लिए बाध्य करने वाला यह आदेश व्यापक है और इससे समाज में एक बड़े बदलाव की शुरुआत हो सकती है। अतः संविधान की रोशनी में आगे बढ़ना चाहिए।

यह अच्छी बात है कि न्यायालय अपने अंतरिम आदेश में भी सतर्क है। न्यायालय की भी यही मर्जी है कि कांवड़ियों (तीर्थयात्रियों) को उनकी प्राथमिकताओं के अनुरूप शाकाहारी भोजन परोसा जाए और स्वच्छता के मानकों को बनाए रखा जाए। न्यायालय को प्रथम दृष्टया भारतीय गणराज्य के धर्मनिरपेक्ष चरित्र की चिंता है और याचिकाकर्ता भी इस मोर्चे पर अपनी आशंकाओं का समाधान चाहते हैं। एक तर्क यह भी है कि केवल नाम या पते के प्रदर्शन से शुचिता या पवित्रता बहाल नहीं होगी और न इच्छित उद्देश्य की प्राप्ति होगी। याचिकाकर्ता के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया है कि आप किसी रेस्तरां में व्यंजन सूची के आधार पर जाते हैं, न कि कौन परोस रहा है। यदि किसी दुकानदार का नाम-मजहब स्पष्ट हो जाएगा, तो पहचान के आधार पर बहिष्कार की आशंका है। याचिकाकर्ता ने यह भी तर्क दिया है कि अनेक शाकाहारी रेस्तरां के मालिक हिंदू हैं, पर वहां मुस्लिम भी काम करते हैं, तो क्या इस आधार पर भी भेदभाव किया जाएगा? इसमें कोई शक नहीं कि इस आदेश के खिलाफ आशंकाओं की एक लंबी फेहरिस्त तैयार हो गई है। एक दिलचस्प विवरण तो न्यायमूर्ति भट्टी ने सुनाया, 'केरल में एक शाकाहारी होटल है, जिसे एक हिंदू चलाता है और एक होटल मुसलमान चलाता है। एक न्यायाधीश के रूप में मैं उस होटल में जाता था, जिसे मुसलमान चलाता था और वह स्वच्छता का अंतरराष्ट्रीय मानक बनाए रखता था।' मतलब, शुचिता और गुणवत्ता का धर्म से कोई लेना-देना नहीं है, खान-पान सेवा में सही मानसिकता होनी चाहिए।

बहरहाल, कांवड़ यात्रा शुरू हो गई है। सावन का पहला सोमवार बीत चुका है और अब दुकानदारों के साथ ही कांवड़ियों पर भी किसी तरह का दबाव नहीं है, पर दुकानदारों के साथ ही कांवड़ियों और अन्य ग्राहकों को भी सावधानी बरतनी चाहिए। गुणवत्ता और स्वच्छता के प्रति सजगता जरूरी है, यह एक ऐसा मसला है, जिसके लिए केवल सरकारों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। अगर लोग यह तय कर लें कि वहीं खाएंगे और वहीं से सामान लेंगे, जहां विश्वस्तरीय मानक बनाए रखा जाता है, तो आधी से ज्यादा समस्या का समाधान यहीं हो जाएगा। यहां ज्यादा जिम्मेदारी खाद्य एवं स्वास्थ्य विभाग की है, पुलिस की नहीं। अंतिम फैसले में न्यायालय को जिम्मेदारी का भी स्पष्ट निर्धारण करना चाहिए, ताकि आशंकाओं की कोई गुंजाइश न बचे।

यह मेरा मित्र बहुत साहसी

डॉ. दिलीप चौबे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी हाल की रूस यात्रा में एक अनोखी टिप्पणी की जिसकी ओर मीडिया ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। रूस मं वैज्ञानिक केंद्र के भ्रमण के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति ब्लादीमिर पुतिन का कंधा थपथपाते हुए कहा, 'यह मेरा मित्र बहुत साहसी है।' इस टिप्पणी का संदर्भ पुतिन के पूर्व में किए गए साहसिक कार्यों से भी हो सकता है, लेकिन इसे यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। पुतिन ने यूक्रेन में सैनिक संगठन नाटो और अमेरिका की खुली चुनौती दी है। मोदी के 'साहसी मित्र' को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन युद्ध अपराधी करार देते हैं। इन हालात में यह स्वाभाविक है कि मोदी की सपल यात्रा को लेकर पश्चिमी देशों की भृकुटी तनी हुई है। अमेरिका के व्हाइट हाउस, विदेश मंत्रालय और पेंटागन ने सधी हुई प्रतिक्रिया व्यक्त की है। लेकिन नई दिल्ली में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध हाल के वर्षों में व्यापक बने हैं, लेकिन इनकी बुनियाद ज्यादा पुख्ता नहीं है। साथ ही, उन्होंने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता पर भी सवाल खड़ा किया। उनकी टिप्पणियों में भारत के लिए चेतावनी का तेवर था।

यह एक संयोग है कि जिस समय मोदी की रूस यात्रा हुई उसी समय वाशिंगटन में सैन्य संगठन नाटो की शिखर वार्ता आयोजित खी। इसमें सदस्य देशों तथा जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे अमेरिकी सहयोगियों ने रूस विरोधी रणनीति को अंतिम रूप दिया। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की न अपनी भड़ास निकालते हुए कहा, 'दुर्भाग्यपूर्ण है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश का नेता सबसे बड़े अपराधी के साथ गले मिल रहा है।' मोदी की रूस यात्रा का मीडिया कवरेज पूरी दुनिया में बड़े स्तर पर हुआ जो असाधारण है। पश्चिमी देशों के मीडिया ने एक स्वर से मोदी की यात्रा की आलोचना की तथा कहा कि भारत पर भरोसा नहीं किया जा सकता। यूक्रेन के टेलीविजन ने तो भारत को रूस, ईरान, चीन और उत्तर कोरिया के शैतानी गठबंधन का सदस्य करार दिया। पश्चिमी देशों के विश्लेषक ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं कर रहे हैं लेकिन वे भी इस यात्रा से क्षुब्ध हैं। पहले से भारत विरोधी रवैया अपनाने वाले गुटों को तो मोदी के खिलाफ विषवमन करने का एक मौका मिल गया है।

यह देखने वाली बात होगी कि पश्चिमी देशों की सरकारें आने वाले दिनों में भारत के साथ संबंधों पर क्या रवैया अपनाती हैं। इतना निश्चित है कि इन देशों में मोदी को अब पहले जैसा आदर, सत्कार और महत्त्व शायद ही मिले। अमेरिका और पश्चिमी देशों की खुफिया एजेंसियां आने वाले दिनों में मोदी सरकार के प्रति कैसा रवैया अपनातीहैं, इस पर भी भारतीय एजेंसियों को नजर रखनी होगी। पाकिस्तान में इमरान खान के साथ जैसा हुआ उसे दोहराने की कोशिश हो सकती है लेकिन भारत और पाकिस्तान तथा नरेन्द्र मोदी और इमरान खान में जमीन आसमान का अंतर है। अमेरिका या किसी देश के लिए यह संभव नहीं है कि वह भारत को अस्थिर कर सके। यह जरूर है कि मोदी सरकार को कम बहुमत मिला है तथा देश में भी बहुत से अनसुलझे मुद्दे मौजूद हैं जिन्हें हवा दी जा सकती है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने एनजीओ, थिंक टैंक्स और अन्य संस्थानों के जरिए पूरे देश में जाल फैला रखा है। इन्हें किसी निश्चित उद्देश्य के लिए सक्रिय किया जा सकता है। दुनिया के कई देशों में ऐसे उदाहरण हैं जब अमेरिका ने प्रतिकूल सरकारों को गिराने या अस्थिर बनाने की साजिश की है। भारत में शायद ही ऐसा हो लेकिन अपनी ओर से सतर्कता जरूरी है।

इस यात्रा की उपलब्धियों के बारे में दोनों देशों ने सार्वजनिक रूप से ज्यादा ब्यौरा नहीं दिया है, लेकिन यह निश्चित है कि सैनिक और आर्थिक मोर्चे पर जो सहमति बनी हैं, वे भविष्य में साकार होंगी। द्विपक्षीय व्यापार को वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 100 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा गया है तथा डॉलर से इतर भुगतान प्रणाली पर सहमति बनी है। सैन्य उत्पादन के जरिए भारत के मेक इन इंडिया अभियान को मदद मिलेगी।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

बढ़ते भारत की बेहतर तस्वीर पेश कर रहा आर्थिक सर्वे

सोमवार को संसद-पटल पर रखा गया साल 2023-24 का आर्थिक सर्वे विकसित होते भारत की तस्वीर दिखा रहा है। इसमें अनुमान लगाया गया है कि 2023-24 में भारत की वास्तविक जीडीपी में 8.2 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि 2022-23 में यह 6.5 प्रतिशत थी। य

दलीप कुमार, अर्थशास्त्री

यह स्थिति तब है, जब विश्व की औसत विकास दर 3.2 प्रतिशत ही है। यही नहीं, भारत की जीडीपी की वृद्धि दर 2024-25 में 6.5 से सात प्रतिशत तक रहने का अनुमान लगाया गया है। अर्थव्यवस्था में यह भरोसा इसलिए बना है, क्योंकि सर्वेक्षण मानता है कि देश का भू-राजनीतिक महत्व, आर्थिक झटकों को झेलने की क्षमता और ठोस व स्थिर घरेलू वृद्धि से भारत आर्थिक रूप से लगातार मजबूत बन रहा है। यही कारण है कि अब विशेष तौर पर शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहित करने की बात आर्थिक सर्वेक्षण में कही गई है।

बहरहाल, सर्वे में सबकी नजर रोजगार के आंकड़ों पर थी। बेरोजगारी बढ़ने को लेकर लगातार सरकार पर हमला बोला जाता रहा है, मगर आर्थिक सर्वे की मानें, तो देश में बेरोजगारी घटी है। 2017-18 में यह दर जहां 17.8 प्रतिशत थी, वहीं साल 2022-23 में यह घटकर 10 प्रतिशत रह गई। अच्छी बात है कि शहरी बेरोजगारी में भी कमी आई है, भले ही यह बेहद मामूली ही क्यों न हो। दरअसल, आम लोगों की नजर में रोजगार का मतलब सरकारी या स्थायी नौकरी होता है, पर कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, यानी ईपीएफओ के आंकड़ों के आधार पर भी सरकार रोजगार की स्थिति नापती है और यह आंकड़ा बताता है कि 2019 में जहां 61.1 लाख कर्मचारियों के पास ईपीएफओ खाता था, वहीं 2024 में यह बढ़कर 131.5 लाख हो गया। यानी, पांच वर्षों में करीब-करीब दोगुनी संख्या में नए कामगार ईपीएफओ से जुड़े हैं। सुखद है कि श्रमबल में महिलाओं की संख्या भी अच्छी-खासी बढ़ी है और उनमें 2017-18 से लेकर 2022-23 में 16.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

महंगाई को लेकर भी आर्थिक सर्वे में कुछ अलग कहानी दिखती है। मुद्रास्फीति दर, जो 2022-23 में 6.7 प्रतिशत थी, वह 2023-24 में घटकर 5.4 हो गई है। इसमें मूलतः थोक महंगाई दर शामिल है। वैसे, खाद्य मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई है और यह पिछले साल के 6.6 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष बढ़कर 7.5 प्रतिशत हो गई, जिसकी ठोस वजहें भी हैं। वास्तव में, जलवायु परिवर्तन को खाद्य मुद्रास्फीति दर बढ़ने की एक बड़ी वजह माना जाता है। प्रकृति का अनुकूल न रहना, अतिवृष्टि, अनावृष्टि जैसे कई कारक हैं, जो हमारी खेती को प्रभावित कर रहे हैं। इन सबसे खाद्य मुद्रास्फीति ऊपर-नीचे होती रहती है। वैसे, विशेषकर आलू, प्याज और टमाटर की कीमतें बढ़ी हैं। चावल, दाल आदि खाद्यान्नों में बहुत ज्यादा उछाल नहीं है।

सामाजिक सुरक्षा की बात करें, तो कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर), यानी कॉरपोरेट जगत की सामाजिक जिम्मेदारी बढ़ी है। यह जिम्मेदारी उन कंपनियों पर लागू होती है, जिनकी सालाना कमाई 1,000 करोड़ या सालाना लाभ पांच करोड़ रुपये है। उनको अपने तीन साल के औसत लाभ का कम से कम दो प्रतिशत समाज की बेहतरी के कार्यों पर खर्च करना होता है। आर्थिक सर्वे के मुताबिक, इस राशि में 53 फीसदी की वृद्धि हुई है और यह 2017-18 की 17,096 करोड़ रुपये की तुलना में बढ़कर 2021-22 में 26,278 करोड़ हो गई है, जो संकेत है कि उद्योगों के लिए देश में माहौल अनुकूल है। यह भी एक वजह है कि चीनी निवेश की अनुमति दे दी गई है। माना गया है कि द्विपक्षीय रिश्तों में आई खटास के कारण सरकार ने चीनी निवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था, मगर आम जनता के हित में अब ऐसा नहीं किया जा सकता। इसका फायदा यह भी होगा कि टैक्स की चोरी नहीं होगी और सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी।

आर्थिक सर्वे कृषि विकास दर की बेहतरी का संकेत दे रहा है, जिसमें औसतन चार प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है। कुल मिलाकर, यह सर्वे भारत की तरक्की की गाथा है। उसके मुताबिक, कोरोना महामारी से सुस्त पड़ी अर्थव्यवस्था तेजी से उबर रही है। लिहाजा, जीडीपी के हिसाब से विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अब जल्द ही शीर्ष चार में शुमार हो सकती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत में तेजी से हो रहा है वित्तीय समावेशन

प्रहलाद सबनानी

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैकिंग, निवेश, बीमा, डाक एवं पेन्शन क्षेत्र के हितधारकों को शामिल करते हुए वित्तीय समावेशन सूचकांक विकसित किया है। दरअसल, भारत में विभिन्न क्षेत्रों में हो रही अतुलनीय प्रगति को दर्शाने के लिए अब अपने सूचकांक विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है क्योंकि वैश्विक स्तर पर वित्तीय एवं आर्थिक क्षेत्र में कार्यरत विदेशी संस्थानों द्वारा विकसित किए गए सूचकांकों के आधार पर किए जाने वाले सर्वे में तो विभिन्न क्षेत्रों में भारत की प्रभावशाली प्रगति की सही तस्वीर पेश नहीं की जा रही है। इन सूचकांकों के आधार पर किए गए कई सर्वे में तो आश्चर्यजनक परिणाम दिखाई देते हैं। जैसे, एक सर्वे में भुखमरी के क्षेत्र में भारत की स्थिति को अफ्रीकी देशों, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, बंगलादेश से भी बदतर बताया गया था।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विकसित किए गए वित्तीय समावेशन सूचकांक के आधार पर मार्च 2024 के परिणाम हाल ही में जारी किए गए हैं। इन परिणामों के अनुसार, भारत में वित्तीय समावेशन मार्च 2017 में 43.4, मार्च 2021 में 53.9 एवं मार्च 2023 में 60.1 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2024 में 64.2 प्रतिशत हो गया है। यह सूचकांक भारत में वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में हुई अतुलनीय एवं स्थिर प्रगति को दर्शाता है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विकसित किया गया यह सूचकांक वित्तीय समावेशन के विभिन्न आयामों (नागरिकों की वित्तीय संस्थानों पर बढ़ती पहुंच, वित्तीय उत्पादों का बढ़ता उपयोग एवं वित्तीय सेवाओं की गुणवत्ता) पर देश में वित्तीय समावेशन के संदर्भ में जानकारी को 0 से 100 तक के मान में बताता है। यदि मान कम है तो देश में वित्तीय समावेशन भी कम है और इसके विपरीत यदि मान अधिक है तो देश में वित्तीय समावेशन भी अधिक है। भारत में यह मान मार्च 2024 में बढ़कर 64.2 प्रतिशत हो गया है। उक्त वर्णित तीन आयामों में कई पैरामीटर शामिल हैं, इनका मूल्यांकन 97 संकेतकों के आधार पर किया जाता है। इस कार्यप्रणाली के कारण ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विकसित किया गया यह सूचकांक वित्तीय समावेशन का एक व्यापक संकेतक बन गया है। वित्तीय समावेशन सूचकांक प्रत्येक वर्ष के जुलाई माह में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किया जाता है।

किसी भी देश में वित्तीय समावेशन के बढ़ने का आशय यह है कि उस देश के नागरिकों की उस देश के बैंकिंग संस्थानों तक पहुंच बढ़ रही है और यह उस देश की अर्थव्यवस्था के औपचारीकरण में मुख्य भूमिका निभाता है। वर्ष 2014 में भारत में प्रधानमंत्री जनधन योजना को लागू किया गया था और इस योजना के अंतर्गत विभिन्न बैकों में गरीब वर्ग के जमा खाते खोलकर उन्हें वित्तीय समावेशन का हिस्सा बना लिया गया था। आज प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत लगभग 52 करोड़ बैंक खाते खोले जा चुके हैं एवं इन जमा खातों में लगभग 2.35 लाख करोड़ रुपए की राशि जमा है। केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा देश के गरीब वर्ग को दी जाने वाली सहायता/प्रोत्साहन राशि को भी इन खातों में आज सीधे ही जमा कर दिया जाता है, इसे प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना के रूप में भी जाना जाता है, जिससे इस क्षेत्र में भ्रष्टाचार लगभग समाप्त हो गया है क्योंकि इससे अंततः लीकेज कम हुए है और यह सुनिश्चित हुआ है कि योजनाओं का लाभ अंतिम लाभार्थी तक सीधे ही पहुंचे। प्रधानमंत्री जनधन योजना को लागू करने का मुख्य उद्देश्य भारत के दूर दराज के इलाकों में निवासरत नागरिकों को बैंकिंग, बचत और जमा खाते, राशि हस्तांतरण, ऋण, बीमा और पेंशन जैसी वित्तीय सेवाओं को उपलब्ध कराना था। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने में प्रधानमंत्री जनधन योजना पूर्ण रूप से सफल रही है और भारत में वित्तीय समावेशन को अगले स्तर पर ले जाने में भी सहायक रही है। साथ ही, प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत खोले गए जमा खातों को भारत की विशिष्ट पहचान प्रणाली (आधार कार्ड) से जोड़कर, केंद्र सरकार ने देश में वित्तीय लेन देन प्रणाली को सुव्यवस्थित कर लिया है एवं बैंकिंग व्यवहारों में धोखाधड़ी की सम्भावना को कम करने में भी सफलता अर्जित की है। आज भारत की प्रधानमंत्री जनधन योजना को पूरे विश्व में सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन योजना के रूप में पहिचान मिली है।

देश में प्रधानमंत्री जनधन योजना को आज भी वित्तीय समावेशन के मुख्य उपकरण के रूप में माना जा रहा है और इस योजना के अंतर्गत देश के नागरिकों के खाते विभिन्न बैंकों में उसी उत्साह से लगातार खोले जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में भी भारत के विभिन्न बैकों में प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत लगभग 3.3 करोड़ नए जमा खाते खोले गए हैं इससे इस योजना के अंतर्गत खोले गए कुल खातों की संख्या बढ़कर 51.95 करोड़ हो गई है एवं इन जमा खातों में 234,997 करोड़ रुपए की राशि जमा हो गई है। अब देश का एक गरीब नागरिक भी भारत की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान करता हुआ दिखाई दे रहा है। वित्तीय समावेशन के दायरे में लाए गए नागरिक वित्तीय क्षेत्र में साक्षर होने के पश्चात अब तो भारत के पूंजी बाजार (शेयर बाजार) में भी अपना निवेश करने लगे हैं एवं उनकी विभिन्न ऋण योजनाओं एवं बीमा उत्पादों तक पहुंच भी बढ़ गई है। वित्तीय सेवाओं तक इस पहुंच ने देश के नागरिकों को आर्थिक रूप से बहुत सशक्त बना दिया है, इससे अंततः यह नागरिक शिक्षा, स्वास्थ्य एवं छोटे व्यवसायों में निवेश करने में सक्षम हुए हैं और इस प्रकार इन नागरिकों के जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

भारत में वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में हुई उक्त वर्णित अतुलनीय प्रगति की जानकारी हम आम नागरिकों को तभी मिल पा रही है जब भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत में ही एक सूचकांक विकसित किया है। यदि वित्तीय समावेशन का सूचकांक किसी विदेशी संस्थान द्वारा तैयार किया जाता तो सम्भव है कि भारत की इस महान उपलब्धि को जानने से हम वंचित रह जाते। अब समय आ गया है कि इसी प्रकार के सूचकांक अन्य क्षेत्रों में भी भारतीय वित्तीय एवं आर्थिक संस्थानों द्वारा ही तैयार किए जाने चाहिए, ताकि हम आम नागरिकों को विभिन्न क्षेत्रों में भारत की अतुलनीय प्रगति की वास्तविक जानकारी प्राप्त हो सके।

(ये लेखक के विचार हैं)

भाजपा के लिए खतरे की घंटी

देश के सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के आए नतीजों में 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों ने भाजपा को करारा झटका देते हुए 10 सीटें जीत लीं। भाजपा दो सीट ही जीत सकी जबकि एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार की जीत हुई। पश्चिम बंगाल की चार, हिमाचल प्रदेश की तीन, उत्तराखंड की दो, पंजाब, मध्य प्रदेश, बिहार और तमिलनाडु की एक-एक सीट के लिए चुनाव हुआ था। इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस, 'आप', टीएमसी और द्रमुक ने अपने उम्मीदवार उतारे थे।

नतीजों से इंडिया गठबंधन के घटक दल गद्गद् हैं, और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाजरुन खरगे ने नतीजों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दावा कि लोगों ने भाजपा के अहंकार, कुशासन और नकारात्मक राजनीति को नकार दिया है और नतीजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की गिरती राजनीतिक साख का प्रमाण हैं। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट करके इन नतीजों पर मतदाताओं का आभार जताया है।

खास बात यह रही कि उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब में जनता ने पाला बदलने वाले नेताओं को नकार दिया। उत्तराखंड की दोनों सीटें कांग्रेस ने जीत लीं। सर्वाधिक चर्चा प्रसिद्ध तीर्थस्थल बद्रीनाथ सीट की है, जहां कांग्रेस अपनी सीट बरकरार रखने में सफल रही। यहां भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़े राजेंद्र सिंह भंडारी कांग्रेस के सिटिंग विधायक थे लेकिन पाला बदल कर भाजपा में जा मिले।

भाजपा ने उन्हें प्रत्याशी बना दिया लेकिन कांग्रेस के लखपत सिंह बुटोला ने उन्हें पराजित कर दिया। हिमाचल प्रदेश में भी रोचक परिदृश्य उभरा है। देहरा सीट से मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की पत्नी कमलेश जीतीं। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी को हराया। प्रदेश में पहली बार होगा जब पति-पत्नी सदन में साथ होंगे। कांग्रेस के विधायक 40 हो गए हैं, जबकि भाजपा की 28 सीटें हैं।

फरवरी में राज्य सभा चुनाव के वक्त विधायकों की बगावत से कांग्रेस की सरकार पर संकट के बादल मंडराने लगे थे, जो टल गया है। मध्य प्रदेश में कमलनाथ के गढ़ माने जाने वाले छिंदवाड़ा क्षेत्र में भाजपा ने कांग्रेस को फिर झटका देते हुए अमरवाड़ा सीट जीत ली। पश्चिम बंगाल में दीदी का जलवा कायम है, और टीएमसी ने चारों सीटें जीत लीं।

भाजपा से तीन सीटें छीनी हैं। बेशक, नतीजे भाजपा के लिए खतरे की घंटी हैं, जिनका उप्र में विधानसभा की 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव तथा हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के आसन्न असेंबली चुनाव पर निश्चित असर दिखेगा।

(राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी)

पेरिस ओलंपिक में भारत से है ढेरों उम्मीदें, क्या हॉकी में मिलेगा स्वर्ण पदक?

> अब हॉकी की बात करते हैं जो भारत का लोकप्रिय खेल है। भारत को इसमें पदक की आस हमेशा रहती है। वजह, इस खेल में हमारा कई दशकों तक दबदबा रहा। भारत ने ओलंपिक में आठ स्वर्ण पदक जीते हैं। वह हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद का स्वर्णिम समय था।

आदर्श प्रकाश सिंह

पेरिस में 2024 के ओलंपिक खेल आरंभ होने ही वाले हैं। 26 जुलाई को उद्घाटन समारोह के साथ ही खेलों के इस महाकुंभ का आगाज हो जाएगा। दुनिया के सभी देश इस बड़े खेल आयोजन में अपनी किस्मत आजमाने उतरेंगे। पिछले ओलंपिक खेल 2021 में जापान की राजधानी टोक्यो में हुए थे। वैसे इसे 2020 में होना था लेकिन कोविड महामारी के चलते एक साल आगे खिसकाना पड़ा। हर चार साल के बाद ओलंपिक खेलों का आयोजन होता है। जहां तक भारत की बात है तो इस बार हमारी तैयारी बहुत अच्छी है। टोक्यो में मिले सात पदकों की वजह से भारतीय दल का जोश हाई है। इस बार पदकों की संख्या दहाई के अंक तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। देशवासियों को उम्मीद है कि पिछली बार से अधिक पदक अवश्य मिलेगा। टोक्यो में भाला फेंक प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा एक सनसनी बन कर उभरे थे। उन्होंने स्वर्ण पदक हासिल कर देश का नाम ऊंचा किया था। ओलंपिक खेलों में एथलेटिक्स में यह भारत का पहला स्वर्ण पदक था।

पेरिस में भी नीरज चोपड़ा से वही प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद की जा रही है। चोपड़ा ने पिछले एशियाई खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। पेरिस में भारत के कुल 117 खिलाड़ी पदकों की होड़ में अपनी बाजी लगाएंगे। इनके साथ 140 लोगों का सपोर्ट स्टाफ भी जा रहा है। अब हॉकी की बात करते हैं जो भारत का लोकप्रिय खेल है। भारत को इसमें पदक की आस हमेशा रहती है। वजह, इस खेल में हमारा कई दशकों तक दबदबा रहा। भारत ने ओलंपिक में आठ स्वर्ण पदक जीते हैं। वह हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद का स्वर्णिम समय था। मगर, एक दौर वह भी आया जब हमारी हॉकी रसातल में चली गई। यूरोपीय टीमें हमसे आगे बढ़ गईं। 1976 के मांट्रियल ओलंपिक में भारतीय टीम सातवें स्थान पर रही। इसके बाद मास्को ओलंपिक-1980 में भारत ने स्वर्ण पदक जीता लेकिन इसकी अहमियत इसलिए नकार दी गई क्योंकि कई बड़े देशों ने मास्को ओलंपिक का बहिष्कार कर दिया था। जर्मनी, हालैंड, पाकिस्तान, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया आदि देशों ने इसमें भाग नहीं लिया। अफगानिस्तान में सोवियत संघ की सेना की मौजूदगी के विरोध में यह निर्णय किया गया था। बहरहाल, भारत ने फाइनल में स्पेन को कड़े मुकाबले में 4-3 से हराकर हॉकी का स्वर्ण पदक जीत लिया।

इसके बाद पदक का सूखा पड़ गया। भारतीय टीम लगातार हारती रही। ओलंपिक में जाकर खाली हाथ वापस आने का सिलसिला चल पड़ा। एक बार तो ऐसा भी हुआ कि बीजिंग ओलंपिक-2008 के लिए भारतीय हॉकी टीम क्वालीफाई ही नहीं कर पाई। यह बड़ी शर्मनाक स्थिति थी। यह सिलसिला 41 साल बाद टोक्यो में खत्म हुआ और हमारी टीम ने हॉकी का कांस्य पदक जीत लिया। कम से कम हम खाली हाथ नहीं लौटे। इसलिए पिछला ओलंपिक कई मायनों में भारत के लिए बेहतरीन रहा। हालांकि, स्वर्ण पदक अब भी हमसे दूर है। देखना है कि पेरिस में भारत की टीम कैसा प्रदर्शन करती है। उसके पूल में अर्जेंटीना, बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया जैसी तगड़ी टीमें हैं। कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में भारत स्वर्णिम सफलता के लिए बेताब होगा। अनुभवी गोलकीपर श्रीजेश का यह आखिरी ओलंपिक है। टीम चाहेगी कि उन्हें स्वर्णिम विदाई दी जाए। कोच क्रेग फुल्टन ने खिलाड़ियों से अच्छी तैयारी कराई है। इसी टीम ने एशियाई खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था।

पदक की एक उम्मीद मीराबाई चानू से है। भारोत्तोलन में उन्होंने टोक्यो में रजत पदक जीता था। इस बार वह पदक का रंग बदलना चाहेंगी। मुक्केबाजी में हमारी बेटियां पदक ला सकती हैं। चार महिलाएं और दो पुरुष मुक्केबाज पेरिस में दम दिखाने को तैयार हैं। दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत जरीन पहली बार ओलंपिक में खेलेंगी। टोक्यो में कांस्य पदक जीतने वाली लवलीना बोरगोहेन पेरिस में नए भार वर्ग में उतरेंगी। उनसे भी पदक जीतने की उम्मीद है। पुरुष मुक्केबाज अमित पंघाल और निशांत देव भी भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगे। अब तक मुक्केबाजी में भारत को कांस्य पदक ही मिले हैं। इस बार रजत या स्वर्ण हासिल करने की ख्वाइश जरूर होगी।

कुश्ती में भी भारत को पदक की आशा रहती है। बैडमिंटन में भारत की स्टार पीवी सिंधू ने रियो ओलंपिक में रजत और टोक्यो में कांस्य जीता था। स्वर्ण पदक के साथ वह ओलंपिक का सफर खत्म करना चाहेंगी। पेरिस में वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का संकल्प लेकर जा रही हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

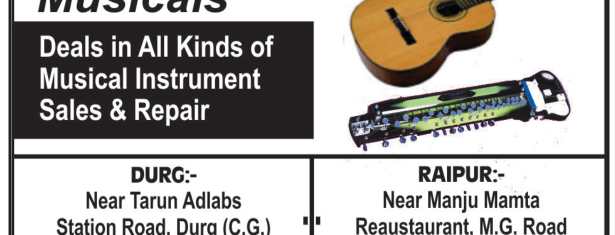

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Industrial Training Institute
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)

योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

राज्य शासन ने राजस्व अभिलेखों के लिपिकीय त्रुटियों के सुधार हेतु तहसीलदारों को किया अधिकृत

दुर्ग। राज्य शासन राजपत्र (असाधारण) 4 मई 2022 के द्वारा छ.ग.भू.रा.सं. की धारा 115 में संशोधन करते हुए भू-अभिलेख में गलत या अशुद्ध प्रविष्टि का शुद्धिकरण किए जाने हेतु उपखंड अधिकारी (अनुविभागीय अधिकारी) को अधिकृत करने हेतु अधिसूचना जारी की गई थी। अनुविभागीय अधिकारियों के पास एक से अधिक तहसीलों का प्रभाव होता है। त्रुटि सुधार के कार्य को करने हेतु अनुविभागीय अधिकारियों द्वारा आवेदन प्राप्त होने पर संबंधित तहसील के तहसीलदारों से प्रतिवेदन प्राप्त किया जाता था। तहसीलदार इश्तिहार प्रकाशित कर राजस्व निरीक्षक पटवारी से जानकारी लेकर अपना प्रतिवेदन अनुविभागीय अधिकारी को प्रस्तुत करते थे। उक्त प्रक्रियाओं का पालन करने में अनावश्यक विलंब होने से आम जनता का कार्य समय पर पूर्ण नहीं हो पा रहा था। अपर कलेक्टर अरविंद एक्का से मिली जानकारी अनुसार आम जनता को होने वाली परेशानियों को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 19 जुलाई 2024 को राजपत्र में यह अधिसूचना प्रकाशित की गई कि छत्तीसगढ़ भू राजस्व संहिता, 1959 (क्र. 20 सन 1959) की धारा 24 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए राज्य सरकार द्वारा उक्त संहिता की धारा 115 के अधीन तहसीलदार को शक्तियां प्रदत्त की गई है।

जिले में अब तक 247.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 01 जून से 22 जुलाई तक 247.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 433.5 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 154.9 मिमी बोरी तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 217.2 मिमी, तहसील धमधा में 182.1 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 216.2 मिमी और तहसील अहिवारा में 280.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 22 जुलाई को तहसील दुर्ग में 33.4 मिमी, तहसील धमधा में 11.0 मिमी, तहसील पाटन में 42.2 मिमी, तहसील बोरी में 16.0 मिमी, भिलाई 3 में 19.4 मिमी और तहसील अहिवारा में 22.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

साइंस कॉलेज दुर्ग में प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने रोपे पौधे

दुर्ग। साइंस कॉलेज दुर्ग के एनएसएस विद्यार्थी प्रतिवर्ष वृक्षारोपण अभियान आयोजित करते हैं जिसमें सभी प्राध्यापक एवं विद्यार्थी पौधे लगाते हैं तथा उसकी रक्षा का संकल्प लेते हैं। इसी तारतम्य में भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश पर इस वर्ष एक पेड़ मां के नाम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम ए सिद्धिकी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों, एवं प्राध्यापकों द्वारा महाविद्यालय में विभिन्न प्रजातियों के फ्लदार एवं फूलदार पौधे रोपे गए। जिसमें नीम, करंज, बेल , कचनार इत्यादि प्रमुख थे। इस अवसर पर प्राचार्य ने बताया कि हमें पर्यावरण को बचाने के लिए पौधे अधिक से अधिक संख्या में लगाने की जरूरत है। आज सबसे बड़ी चुनौती है पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने की है इसके लिए हम पौधे लगाएं तथा उसकी रक्षा करें ।
महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को इस विषय में एनएसएस द्वारा जागरूक भी किया जाता है। एनएसएस जिला संगठक प्रो जनेंद्र कुमार दीवान ने बताया कि हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के निर्देशन में दुर्ग जिले के विभिन्न महाविद्यालय एवं विद्यालयों के एनएसएस इकाइयों द्वारा जुलाई माह में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है ।

भिलाई उद्योग जगत ने पूरे विश्व मे परचम लहराया

जितेंद प्रसाद गुप्ता को विशेष उपलब्धि पर डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छग चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज उद्योग चेम्बर भिलाई के अध्यक्ष जितेंद प्रसाद गुप्ता ने भिलाई का नाम विश्व पटल पर अंकित कराया।

आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत एक विशेष उत्पाद निर्माण जिसने भारत सरकार के निवेश में कमी आई, विशेष बात यह थी कि वह करोना काल का समय था। डॉ जितेंद प्रसाद गुप्ता ने बताया कि यह मेरे लिए तो गर्व की बात है ही लेकिन भिलाई उद्योग जगत के लिए भी यह गौरव की बात है। उन्होनें बताया कि उस समय जब विश्व महामारी से देश जुझ रहा था उस समय ऐसा उत्पाद निर्माण किया गया जिसकी उत्पाद लागत अन्य देशों से कम थी और हमे आयात करने की जरूरत भी नही पड़ी। मेरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी (यू एस ए) द्वारा उत्पाद की परख,उसकी गुणवत्ता की परख व हर औद्योगिक पैमाने से परख की गई और निर्णय दिया कि यह उत्पाद हर मायने में उत्तम है और इसे निर्मित करने वाले श्री जितेंद प्रसाद गुप्ता जी को डॉक्टरेट की उपाधि देने का निर्णय लिया।

मेरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी (यूएसए) द्वारा भारत सरकार के निज सचिव व उद्योग मंत्रालय के सानिध्य में जितेंद प्रसाद गुप्ता को डॉक्टर ऑफ फिलासफी की उपाधि से सम्मानित किया गया। जितेंद प्रसाद गुप्ता जी को यह सम्मान दिल्ली ट्रेड सेंटर में प्रदान किया गया। छग चेम्बर ऑफ कामर्स के महामंत्री अजय भसीन ने बधाई देते हुए कहा कि भिलाई व चेम्बर के लिए यह गर्व की बात है।

युवा परिवार द्वारा महामंत्री अजय भसीन का भव्य स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। युवा परिवार द्वारा युवा व्यापरियों का एक मिलन समारोह आयोजित किया गया।इस मिलन समारोह में युवा व्यापरियों व उद्यमियों का सम्मान भी किया गया। युवा परिवार कार्यक्रम संयोजक शंकर सचदेव ने जानकारी दी कि यह आयोजन एक निजी होटल में आयोजित किया गया।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा एकत्व,युवा व्यापारियों का सम्मान व युवा अभिव्यक्ति को सम्मान देना था । इन सभी विषयों पर आयोजित कार्यक्रम में चेम्बर ऑफ कामर्स के महामंत्री अजय भसीन को युवा रत्न उपाधि से सम्मानित कर एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया व मुकुट पहनाकर उनके स्वर्णिम कार्यकाल की बधाई प्रेषित की गई। आयोजन में 25 युवा व्यवसायी व उद्यमियों को अपने अपने क्षेत्र में अपनी विशेष उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया।सभी युवा व्यवसायियों को युवा गौरव से सम्मानित कर सभी को प्रतीक चिन्ह दिया गया। युवा गौरव दिवस के नाम पर आयोजित कार्यक्रम में अजय भसीन ने अपने उद्बोधन में कहा कि युवा सोच को इस मंच पर अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त करने व एक नई सोच का मैं दिल से धन्यवाद करता हु।

बीएसपी द्वारा अवैध आवासों को कराया खाली एवं 34 कब्जेधारियों को किया बेदखल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग के प्रवर्तन अनुभाग द्वारा लगातार कार्यवाही जारी रखते हुए, 22 जुलाई 2024 को भी माननीय संपदा न्यायालय के आदेश पर कोतवाली थाना, भिलाई नगर, पुलिस बल की सहायता से अवैध कब्जेधारियों पर बड़ी कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में 34 अवैध कब्जेधारियों को बेदखल किया गया, जिसमें 02 डिक्री आवास शामिल है।

माननीय संपदा न्यायालय के आदेश पर अब तक 301 डिक्री आवास रिक्त कराया गया है तथा 590 आवास से अवैध कब्जेधारियों को बेदखल किया गया है। साईं मंदिर सेक्टर-06, स्थित पानी टंकी को असुरक्षित घोषित किया गया है। उक्त पानी टंकी के नीचे अवैध व्यवसाय कर रहे, दुकानदारों को उनकी सुरक्षा की दृष्टि से तत्काल उक्त स्थान से हटने की समझाइश चैथी बार दिया गया है। इस संबंध में जिला प्रशासन को भी पत्र लिख कर संपूर्ण घटनाक्रम की जानकारी देते हुए सुरक्षा की दृष्टि से अवैध दुकानें हटाने हेतु सहायता की मांग की गई है, ताकि जान-माल की हानि को रोका जा सके। अनफिट ब्लॉक्स को अधिकृत एजेंसी द्वारा खतरनाक घोषित किया जा चुका है। चेतावनी देने के बावजूद लोग अवैध तरीके से वहाँ आवास कर रहे और व्यवसाय कर रहे हैं। इन बीएसपी आवासों को अवैध रूप से कब्जा कर दलालों द्वारा किराया वसूली भी किया जा रहा था। इन आवासों में विद्युत-जल आपूर्ति को बंद कर, दरवाजे खिड़कियों को निकाल दिया गया है। साथ ही सिविल विभाग द्वारा पार्शियल डिमोलिशन करना शुरू कर दिया गया है। अवैध कब्जेधारी, भू माफ्यिाओं और दलालों के विरुद्ध बीएसपी प्रबंधन द्वारा कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

पंडित प्रदीप मिश्रा की शिवमहापुराण कथा के लिए रूट मैप जारी

ट्रैफिक विभाग ने जारी की एडवाइजरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जयंती स्टेडियम परिसर भिलाई में 25 से 31 जुलाई तक अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा (सिहोर वाले) का शिव महापुराण कथा आयोजन प्रस्तावित है। शिव महापुराण कथा के दौरान लाखों की भीड़ को देखते हुये यातायात पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए रायपुर, बेमेतरा, बालोद, राजनांदगांव की ओर से कथा स्थल तक आने-जाने के लिए निम्नानुसार मार्ग,पार्किंग एवं डायवर्शन प्लान तैयार निर्धारित किया गया है।

वीआईपी पास वाले वाहन अपने वाहन बेरोजगार तिराहा से प्रवेश कर अपने वाहन शहीद पार्क के सामने पार्किंग मे वाहन खड़ा करेंगे। उतई तिराहा से जवाहर उद्यान चौक तक किसी भी प्रकार के वाहन प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। जयंती स्टेडियम कटिंग फ रिस्ट एवेन्यू मार्ग से कार्यक्रम स्थल जयंती स्टेडियम तक पैदल आना जाना प्रतिबंधित रहेगा। यातायात विभाग ने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा है कि असुविधा से बचने के लिए कथा स्थल जयंती स्टेडियम आने-जाने के लिए उपरोक्त मार्गों का उपयोग करें। शिवमहापुराण कथा के दौरान इस सम्पूर्ण क्षेत्र में किसी भी प्रकार के भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

रुट और पार्किंग

रायपुर, चरोदा एवं भिलाई 03 की ओर से आने वाले वाहन चालक:- टाटीबंध - कुम्हारी-पावर हाउस चौक-पावर हाउस अण्डर ब्रिज-मूर्गा चौक बेरोजगार तिराहा (परिवार चौक) -सेक्टर 06 पुलिस ग्राउण्ड (पार्किंग) कथा स्थल (पैदल)

बेमेतरा, धमधा दुर्ग की ओर से आने वाले वाहन चालक -

धमधा-धमधा नाका ओवर ब्रिज -ग्रीन चौक -राजेन्द्र पार्क-वाय सेप ब्रिज - सेक्टर 9 चौक ??ग्लोब चौक सेक्टर 06 पुलिस ग्राउण्ड (पार्किंग)कथा स्थल (पैदल)

राजनांदगांव, बालोद की ओर से आने वाले वाहन चालक

राजनांदगाव/बालोद-पुलगांव चौक-जेल तिराहा-डीपीएस चौक-भिलाई निवास कटिंग??हेलीपेड ग्राउण्ड/फु टबाल ग्राउण्ड (पार्किंग)- कथा स्थल (पैदल)

धमतरी, पाटन की ओर से आने वाले वाहन चालक :-

धमतरी/पाटन उतई उतई तिराहा-डीपीएस चौक-भिलाई निवास कटिंग- हेलीपेड ग्राउण्ड/फु टबाल ग्राउण्ड (पार्किंग)कथा स्थल (पैदल)।

बोरझरा नाला बंद होने से फसलों को नुकसान, किसान परेशान

बोरसी वार्डवासियों ने विद्युत पोल को हटाने दिया आवेदन, जनदर्शन में प्राप्त हुए 150 आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश पर एडीएम अरविंद एक्का एवं अपर कलेक्टर बजरंग दुबे ने जनदर्शन में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में आज 150 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में आवेदन लेकर पहुंचे नगपुरा के किसानों ने बताया कि नगपुरा में जालबांधा मुख्य मार्ग में बोरझरा नाला है, जिसे कुछ किसानों ने नाले को बंद कर दिया है। नाला बंद होने के कारण कृषि भूमि में पानी भर गया है, जिससे फ्सलों को नुकसान होने की संभावना है। नाले को खोलने से फ्सलों के होने वाले नुकसान को बचाया जा सकता है। इस पर अपर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम भरदा दुर्ग निवासी ने स्वयं की भूमि पर अन्य व्यक्ति द्वारा बुआई किए जाने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि निजी भूमि पर अन्य व्यक्ति द्वारा अरहर की खेती की जा रही है, जिसके कारण स्वयं के भूखंड पर मेरे द्वारा फ्सल नही लिया जा सका, इसके द्वारा पिछले वर्ष भी यह कृत्य किया गया था। जिस पर सरपंच, कोटवार और ग्रामीणों की मौजूदगी में अन्य व्यक्ति द्वारा कृत्य की पुर्नवृत्ति नही करने का कथन किया गया था, परंतु उसका अवैधानिक कृत्य आज भी जारी है, जिसके कारण उनको आर्थिक एवं मानसिक प्रताड़ना हो रही है। इस पर अपर कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्ग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

बोरसी वार्डवासियों ने विद्युत पोल को हटाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि विद्युत पोल से बोरसी वार्डवासियों का घर लगा हुआ। पोल के पास ही मोहल्ले के बच्चों का खेलना-कूदना लगा रहता है एवं घर के बड़े बुजुर्गो का भी बैठना और आमजनता का भी आना जाना लगा रहता है। बरसात के दिनों में विद्युत पोल में करंट होने के कारण दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। इस संबंध में विद्युत मंडल में भी आवेदन दिया गया था। इस पर अपर कलेक्टर ने बिजली विभाग के अधिकारी को निरीक्षण कर तत्काल कार्यवाही करने को कहा।

निगम की टीम ने इंटकवेल की 40 फीट गहराई से पंप में फंसे झिल्ली को निकाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर में तीन दिनों से लगातार बारिश के कारण शिवनाथ नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। शिवनाथ नदी महमरा एनीकट पर 6 फीट ऊपर से पानी बह रहा है।इन्हीं कारणों से आसपास के क्षेत्रों से शिवनाथ नदी में कचरा बहकर आने के कारण इटंकवेल में कचरा फं सने से शहर में पानी सप्लाई प्रभावित हुई है।

महापौर धीरज बाकलीवाल के मार्गदर्शन पर आज जलकार्य प्रभारी संजय कोहले द्वारा जलकार्य निरीक्षक नारायण ठाकुर एवं जलकार्य विभाग की टीम के साथ शिवनाथ नदी के साइफ्न में फंसे कचरे 24 एमएलडी के इंटकवेल के किनारे आस पास से झिल्ली पन्नी कचरा निकाला गया।इंटकवेल में नीचे उतरकर सायफ न में फंसे कचरे को सफाई करवाया। नगर निगम की टीम मौके पर 40 फीट गहराई में उतर कर पम्प में फं से झिल्ली पन्नी को बड़ी मशक्कत के बाद कचरे को बाहर निकालकर सफाई किया गया. महापौर धीरज बाकलीवाल व आयुक्त लोकेश चन्द्राकर एवं जलकार्य विभाग प्रभारी ने अधिकारियों से आज इंटकवेल में अच्छी ढंग से सफाई करवाकर शहर में जलप्रदाय में होने वाली बांधा को दूर करने कहा है। उन्होंने पानी सप्लाई निरंतर जारी रखने की बात कही।

सिकल सेल संगवारी पहल के अन्तर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में सिकल संगवारी पहल कार्यकम के अन्तर्गत सिकल सेल प्रबंधन टैब हाइड्रोक्सीयूरिया का उपयोग एवं मॉनिटरिंग विषय पर मास्टर ट्रेनर डॉ. योगेश्वर कालकोन्डे एम.डी. मेडिसिन संगवारी पीपलस एसोसेसियन फारइक्यूवीटी एंड हेल्थ द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण जिला चिकित्सालय दुर्ग में आयोजित किया गया।

आईबी ग्रुप के द्वारा वित्त पोषित संस्था के माध्यम से सिकल सेल संगवारी संस्था के द्वारा जिला चिकित्सालय दुर्ग में सिकल सेल संगवारी कक्ष का संचालन किया जा रहा है। जिसमें सिकल सेल के मरीजों को शासकीय चिकित्सालय में शासकीय योजनाओं के अन्तर्गत निःशुल्क परामर्श एवं उपचार प्रदान किया जाता है। संस्था के द्वारा अब पूरे जिले में विस्तार करने के लिए समस्त विकासखण्ड अधिकारी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के चिकित्सा अधिकारियों को जिला चिकित्सालय दुर्ग में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें जिला चिकित्सालय के 05 चिकित्सक एवं ग्रामीण/शहरी क्षेत्रों से 07 चिकित्सकों को सिकल सेल पीड़ितों के उपचार एवं सिकल सेल मरीजों के योजना की लाभ दिलाने हेतु प्रशिक्षित किया गया।

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक के द्वारा जिला चिकित्सालय दुर्ग में सभी सिकल सेल मरीजों का उपचार एवं परामर्श की सुविधा निःशुल्क प्रदाय की जा रही है। सिकल संगवारी पहल टीम सिकल सेल मरीजों की काउंसलिंग, टैब हाइड्रोक्सीयूरिया के बारे में जानकारी, उनके संदेह को दूर करने एवं कन्फ्र्मेंट्री टेस्ट, जिला चिकित्सालय में करवाने तथा डॉक्टरी सलाह में मदद, वार्ड में भर्ती सिकल मरीजों को काउंसलिंग व दवाईयां एवं सही मार्गदर्शन प्रदाय करने का कार्य कर रही हैं। संगवारी पहल को एनजीओ संगवारी पीपलस एसोसेसियन फारइक्यूवीटी एंड हेल्थ अम्बिकापुर द्वारा चलाया जा रहा है। यह एनजीओ निःशुल्क ओपीडी सुविधा प्रदान कर रही है जिसमें 08 डॉक्टर की टीम निरन्तर कार्यरत हैं। एनजीओ सूरजपूर, अम्बिकापुर, जशपुर आदि अन्य जिलों में सिकल सेल मरीजों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर रही है, साथ ही साथ अन्य बिमारियां जैसे हृदय संबंधित, शुगर, मिर्गी इत्यादि रोगों के क्षेत्र में भी योगदान दे रही है।

इस प्रशिक्षण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के द्वारा जिले में सिकल सेल की जांच शत-प्रतिशत् किये जाने एवं सिकल सेल पॉजिटीव मरीजों को टैब हाइड्रोक्सीयूरिया की डोज नियमित देने, समय-समय पर फालोअप करने के निर्देश दिया गया। सिकल सेल के मरीजों, दिव्याग प्रमाण पत्र जारी करने के लिए शासन द्वारा प्रकाशित गजट के दिशा निर्देशों के अनुसार कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये गये। टैब हाइड्रोक्सीयूरिया में सिकल सेल एनिमिया के लिए एक आदर्श दवा की विशेषता है कि यह कई क्रियाविधि के माध्यम से चिकित्सकीय लाभ प्रदान करता है, इसके उपयोग से अस्पताल में भर्ती सिकल सेल मरीजों में 50 प्रतिशत कमी लाई जा सकती हैं। उक्त प्रशिक्षण में डॉ. हेमन्त साहू सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पाल अधीक्षक जिला कार्यक्रम प्रबंधक सदीप ताम्रकार, अस्पताल सलाहकार डॉ. ओम प्रकाश वर्मा, प्रितिका पवार, डीपीएचएनओ जिला चिकित्सालय दुर्ग से डॉ. सीमा जैन शिशुरोग विशेषज्ञ, डॉ. देवेन्द्र साहू मेडिसिन विशेषज्ञ, डॉ. बी.आर. साहू, स्त्रीरोग विशेषज्ञ एवं विकासखण्ड पाटन, धमधा, निकुम से चिकित्सा अधिकारी एवं जिला की सिकल संगवारी पहल की टीम उक्त प्रशिक्षण में उपस्थित रहें। सिकल सेल संगवारी पहल के कारण अब मरीजों को भर्ती हेतु भटकना नही पड़ता है, सिकल सेल संगवारी कार्यकर्ता द्वारा सिकल सेल के मरीजों के साथ सतत् सम्पर्क करते हुये निरन्तर उपचार के सहयोग करने के लिए सिकल सेल संगवारी के कार्यकर्ता को साधुवाद दिया गया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

ईएनटी विभाग ने कॉक्लियर इम्प्लांट वाले दो मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

रायपुर। पं जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित नाक कान गला रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. (प्रो.) हंसा बंजारा ने ईएनटी विभाग के अंतर्गत सफलतापूर्वक किए गए कॉक्लियर इम्प्लांट के पश्चात् शैक्षणिक क्षेत्र में सफल एवं शानदार प्रदर्शन के लिए दो मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। इनमें से भावना पटेल ने कक्षा 10 वीं में 70 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है एवं आदित्य तिवारी ने बीएससी (गणित) की परीक्षा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की है। डॉ. हंसा बंजारा एवं टीम ने छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा अभूतपूर्व प्रयासों के लिए उन्हें भेंट देकर प्रोत्साहित किया।

डॉ. हंसा ने बताया कि ये बच्चे कॉक्लियर इम्प्लांट श्रवण यंत्र का इस्तेमाल करते हैं और इसकी सहायता से इन्हें सुनने में मदद मिलती है। इन बच्चों ने समाज को यह साबित कर दिखाया है कि सही समय रहते इम्प्लांट का इस्तेमाल कर समावेशी शिक्षा द्वारा आगे बढ़ा जाये तो ऐसे बच्चे समाज में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर सकते हैं। ईएनटी विभाग की पूरी टीम ने दोनों छात्रों की इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी हैं तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

महादेवसाल स्टेशन में 6 गाडियों का अस्थायी ठहराव

रायपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा महादेवसाल मंदिर में आयोजित श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं की विशेष सुविधा हेतु दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के महादेवसाल स्टेशन में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने/चलने वाली गाड़ी 6 गाडियों का 2 मिनट के लिए अस्थायी ठहराव की सुविधा दी गई है। अस्थायी ठहराव की यह सुविधा आज से प्रभावी होकर 22 अगस्त तक उपलब्ध रहेगी। गाड़ी संख्या 13287/13288 दुर्ग-आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस, 22 अगस्त तक प्रत्येक रविवार व सोमवार को महादेवसाल स्टेशन में 2 मिनट के लिए रुकेगी। गाड़ी संख्या 18109/18110 टाटानगर-इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस, 22 अगस्त तक प्रतिदिन महादेवसाल स्टेशन में 02 मिनट के लिए रुकेगी। गाड़ी संख्या 18113/18114 टाटानगर-बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस, 22 अगस्त 20 तक प्रतिदिन महादेवसाल स्टेशन में 2 मिनट के लिए रुकेगी।

प्रदेश के शासकीय सेवकों में भारी आक्रोश व्याप्त

आंदोलन की तैयारी कर रहा कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन, मुख्य सचिव को सौंपा ज्ञापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन बड़े आंदोलन की तैयारी में है। फेडरेशन ने राज्य के मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपा है। इसमें फेडरेशन ने कर्मचारियों की लंबित मांगों की तरफ राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित किया है।

फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा के हस्ताक्षर वाले इस ज्ञापन में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश के कर्मचारियों को मोदी की गारंटी के तहत निम्नांकित मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन द्वारा लगातार शासन-प्रशासन से पत्राचार किया जा रहा है, लेकिन अत्यंत खेद का विषय है कि राज्य शासन द्वारा अभी तक इन मुद्दों के निराकरण के लिए ठोस पहल नहीं किया गया है। जोकि, शासकीय सेवक हित में नहीं है। जिसके कारण प्रदेश के शासकीय सेवकों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

श्री वर्मा ने कहा है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा उपरोक्त मांगों को लेकर यदि समाधानकारक निर्णय नहीं लिया गया तो छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन, अपने आगामी बैठक 28 जुलाई 24 को आंदोलन का निर्णय लेने बाध्य होगा। अतः छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन, जो कि 110 मान्यता एवं गैर मान्यता प्राप्त संगठनों का प्रतिनिधि संगठन है, आपसे अनुरोध करता है कि उपरोक्त उल्लेखित मांगो के तत्काल समाधान हेतु समुचित कार्यवाही करने का कष्ट करें।

ये हैं प्रमुख मुद्दे

- भाजपा घोषणा पत्र अनुसार प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्र के समान 1 जनवरी 24 से 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जाए। साथ ही प्रदेश के कर्मचारियों को जुलाई 2019 से देय तिथि पर महंगाई भत्तों के एरियर्स राशि का समायोजन जीपीएफखाते में किया जाए।
- भाजपा घोषणा पत्र अनुसार प्रदेश के शासकीय सेवकों को चार स्तरीय समयमान वेतनमान दिया जाए।
- केन्द्र के समान गृह भाड़ा भत्ता दिया जाए।
- भाजपा घोषणा पत्र अनुसार मध्यप्रदेश सरकार की भांति प्रदेश के शासकीय सेवकों को अर्जित अवकाश नगदीकरण 240 दिन के स्थान पर 300 दिन किया जाए।

जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर शुरू

इन नम्बरों पर कर सकते हैं संपर्क, अब 24 घंटे ऑनलाइन दर्ज करा सकेंगे शिकायत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अब जिला प्रशासन के कॉल सेंटर के माध्यम से भी ऑनलाइन शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। यह सुविधा 24 घंटे मिलेगी और त्वरित समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। इसके लिए हेल्पलाइन नंबरी भी जारी किया गया है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्टोरेट परिसर के कमरा नंबर 4 में जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर निरीक्षण किया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, संयुक्त कलेक्टर अभिलाषा पैकरा उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा शुरू किए गए कॉल सेंटर से आमजनों को बड़ी राहत मिलेगी। शहर से संबंधित, राजस्व व अन्य विभागों के मामलों की जानकारी फोन कॉल के माध्यम से दे सकते है। जानकारी प्राप्त होने के तत्पश्चात जल्द से जल्द निराकरण किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा कॉल सेंटर में मोबाइल नंबर 9977222564, 9977222574, 9977222584, 9977222594 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करा सकते है। दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधा दी गई है। इस कॉल सेंटर में दिव्यांग भी अपनी समस्याओं से जिला प्रशासन को अवगत करा सकते है। दिव्यांगों की समस्याएं वीडियो कॉल में सांकेतिक माध्यम से सुने जाएंगे।

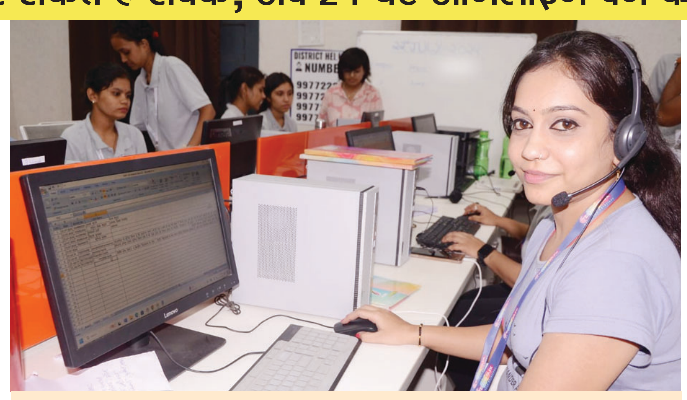

ऐसे होगा शिकायतों का निवारण

- हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से आवेदक कॉल कर अपनी समस्या शिकायत दर्ज कराएंगे।
- कॉल सेंटर की टीम शिकायतकर्ता व आवेदक से बात करती है, उनकी समस्या सुनती है और उसे कॉल सेंटर के पोर्टल पर दर्ज किए जाएंगे।
- केस दर्ज करने के बाद व्हाट्सएप के द्वारा संबंधित विभाग के अधिकारी को मामले की जानकारी भेजी जाएगी।
- प्रकरण का त्वरित निराकरण किया जाएगा
- जब तक शिकायत का निराकरण नहीं होता, तब तक कॉल सेंटर समस्याओं पर संबंधित विभाग एवं अधिकारी से फॉलोअप करेगा।
- समस्या के निराकरण हो जाने पर आवेदक को कॉल करके सूचित किया जाएगा और पोर्टल पर अपडेट किया जाएगा।

बिजली विभाग तारों के पास की झाड़ियां हटाएं: कलेक्टर

शासन ने तहसीलदारों को जमीन संबंधी त्रुटी सुधार करने की जिम्मेदारी दी है, वे इससे जुड़े प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें, इससे आम नागरिकों को राहत मिलेगी। आरबीसी 6-4 के प्रकरण किसी भी स्थिति में लंबित न रहें। प्रत्येक तहसीलदार हल्के स्तर पर इसकी मीटिंग लेकर समीक्षा करें और समय पर हितग्राही को इसका लाभ दें। यह बात कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने समय-सीमा की बैठक में कही। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम यह सुनिश्चित करें बिजली विभाग खुले हुए बॉक्स को बन्द करे और शहर के जिन स्थानों में झाडियां इत्यादि से तारों के टूटने का खतरा है उन्हें जल्द हटाएं। बिजली से जुड़ी शिकायतों का त्वरित निराकरण करें। डॉ गौरव सिंह ने कहा सभी नगरीय निकाय में 27 जुलाई से 10 अगस्त तक जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। विभागों के अधिकारी शामिल होना सुनिश्चित करें और यह प्रयास करें कि जो समस्याएं का मौके पर निराकरण हो सकता है उसे वहीं पर निराकृत किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि सड़कों पर जहां कहीं भी निर्माण सामग्री फैली हुई हो जिससे यातायात बाधित हो रही हो उसको तत्काल हटवाया जाए और कार्रवाई की जाए।

निगम ने पांडेय डेयरी पर की कार्यवाही, 3 डेयरियां हटाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के आदेशानुसार एवं नगर निगम जोन नम्बर 8 के जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के निर्देशानुसार जोन नगर निवेश विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा जोन के तहत माधव राव सप्रे वार्ड नम्बर 69 के तहत रायपुरा महादेवघाट के समीप विसर्जन कुण्ड के पास आवासीय क्षेत्र में संचालित पाण्डेय डेयरी पर कार्यवाही की गई।

पाण्डेय डेयरी द्वारा बनाये गए शेड को जेसीबी मशीन की सहायता से तोड़ने की कार्यवाही की गयी। वहाँ से इसके पूर्व 4 मवेशी जप्त कर काऊ कैचर वाहन से गौठान भेज दिये गए। वहाँ 3 भिन्न स्थानों पर रहवासी क्षेत्र में संचालित पाण्डेय डेयरी द्वारा रखे गए कोटनों को हटाने की कार्यवाही की गयी।

रायपुरा कन्या छात्रावास के समीप रिक्त शासकीय भूमि पर किये जा रहे अतिक्रमण पर बांस-बल्ली को हटाकर तत्काल कारगर रोक लगाई गयी और शासकीय भूमि अतिक्रमण से मुक्त करवाई गयी। रायपुरा महादेवघाट मुख्य मार्ग में अभियान चलाकर मुख्य सड़क मार्ग पर अवैध कब्जा जमाकर रखी गयी 4 गुमटियों को हटाने की कार्यवाही मार्ग पर अतिक्रमण से प्राप्त जनशिकायतें सही मिलने पर की गयी।

गुरूपूर्णिमा पर बाबा दरबार में उमड़ी भक्तों की भीड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा में गुरुपूर्णिमा महोत्सव पर रविवार को श्रदालुओं की बड़ी संख्या में भीड़ जुटी रही। यहां सुबह से ही गुरु पूजन, हवन व शान्ति पाठ किया गया। सुबह 11 बजे से श्रद्धा सुमन मानस परिवार उतई द्वारा मानस गान, दोपहर 2 बजे से सिया की राम संगीतमय भजन मंडली खट्टी अभनपुर से गायिका मालती निषाद की मन्डली ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। उनकी इस भजनों को सुनकर सभी भक्तगण मस्ती में नाचने एवं झुमने लगे साथ ही सभी का दिल जीत लिया। तिसरा कनक सिया मानस परिवार कटंगी गन्डई की कलाकार छोटी सी बालिका जिसकी उम्र 8 साल है उनके द्वारा भजन प्रस्तुत किया गया जो सबको मंत्र मुगध कर दिया।

इसके अलावा भोलेनाथ एवं रामजी के गीतों की प्रस्तुति दी गई। इसके पश्चात गुरु व शिष्य के बारे में विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। चतुर्थ ओम आदित्य मानस परिवार संतोष ढ़ीमर विनीता ढ़ीमर ख्याति मंडली के द्वारा रात्रि 7 बजे से 10 बजे तक कथा रसपान कराया गया।

कार्यक्रम में मध्य में अतिथियों का आगमन शुरू हुआ और उनका दरबार के भक्तों द्वारा श्रीफल, शॉल एवं मेमोंटो देकर स्वागत सम्मान किया गया। इस आयोजन में एक से बढ़कर एक कलाकारों ने भाग लिया। इस आयोजन में मुख्य रूप से बाबा दरबार पावन धाम धनोराक के लक्ष्मण बाबा, नंद पंडा, राजु यादव, विनोद साहु, गुलाब साहु, मनसुखा साहु, रूपलाई साहु, चंद्रकांत कोसरे, कुंजलाल साहु सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

गुरू और शिष्य की परंपरा प्राचीन, छात्रा कुमारी ऋषिका बुंदेल ने संस्कृत में सुनाया श्लोक

पढ़ाई के साथ लिखने का अभ्यास भी जरूरीः जिला समन्वयक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आह्वान व कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिले के स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। शांति नगर स्थित पीजी उमाठे उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में जिला मिशन समन्वयक श्री केएस पटले के मुख्य आतिथ्य में गुरुपूर्णिमा का उत्सव मनाया गया। श्री पटले ने कहा कि हमारी परंपरा बहुत महान है। प्राचीन काल से इसे सर्वोच्च स्थान दिया गया है। गुरूजनों को याद करते कहा कि इन्होंने वेदों की रचना की। उन्होंने बताया कि गुरू शिष्य की परंपरा प्राचीन है। ऋषि मुनियों ने वेद जैसे ग्रंथो की रचना की। उन्होंने ने कहा कहा कि पढ़ाई के साथ लिखने का अभ्यास कीजिए। रविंद्र नाथ टैगौर ने एक बार बहुत सारे पुस्तकों को पढ़ने की अपेक्षा एक ही पुस्तकों को अधिक बार पढ़ना चाहिए। मनुष्यों के जीवन निर्माण में गुरुओं की अहम भूमिका होती है।

ऐसे में माना जाता है कि जिन गुरुओं ने हमें गढ़ने में अपना योगदान दिया है। उनके प्रति हमें कृतज्ञता का भाव बनाए रखना चाहिए और उसे जाहिर करने के दिन के तौर पर ही गुरु पूर्णिमा का त्यौहार मनाया जाता है। वेद को पूरे विश्व के पहले ऋषि माने जाते हैं, इन्होंने भारतीय परंपरा में ज्ञान की ऐसी महत्वपूर्ण काम किए जो आज भी प्रारंभिक है। उन्होंने कहा कि वैसे तो हर दिन गुरु की सेवा करना चाहिए, लेकिन यह दिन पूर्ण रूप से गुरु को समर्पित होता है। इस दिन का उल्लेख रामायण व महाभारत काल में भी किया गया है। कहा जाता है कि इस दिन का इतिहास हजारों लाखों वर्ष पुराना है। 3000 ईसवीं पहले आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा के दिन महाभारत के रचयिता वेद व्यास का जन्म हुआ था। कहा जाता है कि इसी दिन वेद व्यास जी ने भागवत पुराण का भी ज्ञान दिया था। यही कारण है कि हर साल आषाढ़ माह के पूर्णिमा तिथि को गुरु पूर्णिमा मनाया जाता है। इसे व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं समस्त गुरुजनों का मंगल तिलक द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन कक्षा बारहवीं की छात्राओं द्वारा किया गया। कक्षा 8 वी की छात्रा कुमारी वंशिका द्वारा स्वागत भाषण दिया गया तथा छात्राओं द्वारा बेहद ही मधुर एवं मनमोहक गुरु वंदना प्रस्तुत किया गया।

कक्षा 8 वीं की छात्रा कुमारी पूर्वा साकार ने अंग्रेजी में एवं कुमारी ऋषिका बुंदेल ने संस्कृत में अपने प्रभावशाली भाषण से गुरु की महिमा पर अनमोल विचार प्रस्तुत किया। विद्यालय की छात्रा एवं बालिका लोक गायिका कुमारी ओजस्वी (आरू) साहू द्वारा प्रस्तुत किए गए समूह गान की मधुर आवाज ने सबको भावविभोर कर दिया।

विद्यालय की व्याख्याता श्रीमती किरण पांडे ने सभी विद्यार्थियों को अपने जीवन में गुरु की भूमिका का महत्व समझने और उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करने के लिए कविता के माध्यम से प्रेरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि गुरु की शिक्षा और मार्गदर्शन से ही हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं एवं जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम ने विद्यालय में गुरु-शिष्य परंपरा को और भी मजबूत किया तथा विद्यार्थियों में गुरु के प्रति आदर और सम्मान का भाव जागृत किया।

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा ने मनाया सावन उत्सव, बरखा बनी क्वीन

रायपुर। जिंदगी ना मिलेगी दोबारा सेवा संस्था द्वारा सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हाल में रविवार को सावन उत्सव मनाया गया। हरे रंग के लिबास में सज संवर के आई संस्था की सभी महिला सदस्यों ने इस अवसर पर आयोजित एक से बढ़कर एक मनोरंजक कार्यकम में हिस्सा लिया। किसी ने रैंप वॉक किया तो किसी ने लगाए ठुमके। जिंदगी ना मिलेगी दोबारा संस्था के संरक्षक अजय शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस बार भी हमने अपने संस्था के सदस्यों के लिए सावन उत्सव के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया है। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों गीत संगीत हास परिहास, शेरो शायरी के साथ विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित किए गए तथा सावन क्वीन भी चुना गया जिसमें बरखा अंदानी प्रथम, वर्षा दुबे द्वितीय और हेमलता तिवारी तीसरे स्थान पर रहीं। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सदस्यों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में अतिथि तथा निर्णायक के तौर पर ब्यूटीशियन विभा प्रणव तिवारी एवं काउंसलर संध्या शर्मा उपस्थित रहीं। जिन्होंने सामाजिक जीवन के तानेबाने पर एक से बढ़कर एक सवाल किए जिसका प्रतिभागियों ने नपे तुले अंदाज में जवाब दिया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक अजय शर्मा, अध्यक्ष सुषमा तिवारी, सचिव ममता शर्मा, सलाहकार सुमन शर्मा, तथा सम्मानित सदस्य बिहारी लाल शर्मा, कमल शर्मा, आशीष शर्मा, केशव सोनकर सहित सभी सदस्यगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने सुनी समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। कलेक्टर डॉ. सिंह ने रेडक्रॉस सभाकक्ष में आम नागरिकों की समस्याएं सुनते हुए तत्काल अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए।

राजातालाब निवासी अब्दुल सलिम ने आवारा मवेशी के विचरण करने की शिकायतें की। इस पर तत्काल कलेक्टर ने कार्रवाई के निर्देश दिए और तत्काल मवेशियों को हटाने को कहा। कैलाशपुरी निवासी प्रमोद देवांगन ने पेड़ कटवाने के लिए, बंजारी रोड निवासी नरेंद्र गिरेपुंजे ने उचित न्याय दिलाने, पंडरी निवासी चितरंजन ने अपराधिक घटना के संबंध में शिकायतें की। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

महारागनी-क्वीन ऑफ क्वींस के सेट पर काजोल ने की मेरी मदद : संयुक्ता मेनन

एक्ट्रेस संयुक्ता फिल्म महारागनी-क्वीन ऑफ क्वींस से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में काजोल दुर्गा अवतार में दुश्मनों से लड़ती नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने कहा कि काजोल ने सेट पर उनके लिए चीजें थोड़ी आसान बनाने में उनकी मदद की।

काजोल के साथ काम करने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में संयुक्ता ने कहा, काजोल मैम के साथ काम करने का मौका मिलना सम्मान की बात है। उनके साथ काम करना बेहद मजेदार रहा। वह वाकई बहुत प्यारी हैं। मैं उनकी फिल्में देखकर बड़ी हुई हूं।

यह बहुत अद्भुत है कि मुझे उनके साथ काम करने और उन्हें देखने का अवसर मिला। जब हम साथ में सीन करते थे, तो काजोल नसीरुद्दीन शाह की झलक भी मिलती है, जो अस्पताल के बेड पर लेटे हुए हैं और फिर होती है काजोल की धांसू एंट्री, जो मां दुर्गा पूजा के जश्न के बीच सामने आती हैं।

दुर्गा पूजा में काजोल गुंडों की पिटाई करती हुई दिखाई देती हैं। इस दौरान काजोल डायलॉग बोलती हैं, पावर मांग के नहीं, छीनने से मिलती है। इसके बाद वह कहती हैं, मां सरस्वती का

मैम मेरी मदद करती थीं, ताकि चीजें मेरे लिए आसान हो जाएं।

एक्ट्रेस ने कहा, जब आप काजोल मैम से व्यक्तिगत रूप से मिलते हैं, तो आपको पता चलता है कि वे और भी अच्छी हैं।

संयुक्ता ने 2016 में मलयालम फिल्म पॉपकॉर्न से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद से वह कल्कि, एडक्कड़ बटालियन 06, भीमला नायक, बिम्बिसार, गालीपाटा 2 और वाथी सहित कई फिल्मों में दिखाई दीं। उन्हें पिछली बार तेलुगू फिल्म विरुपाक्ष में देखा गया था।

बता दें कि महारागनी- क्वीन ऑफ क्वींस एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें काजोल और प्रभुदेवा 27 साल बाद एक साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले इस जोड़ी को मिनसारा कनवु (1997) में देखा गया था। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन, जिशु सेनगुप्ता, छाया कदम और प्रमोद पाठक भी नजर आएंगे।

हाल ही में, फिल्म का टीजर लॉन्च किया गया, इसमें काजोल का दमदार रूप देखने को मिला। इस टीजर की शुरुआत प्रभु देवा से होती है, जो रनवे पर दौड़ रहे एक शख्स का पीछा करते हैं। वहीं संयुक्ता मेनन को कार स्टंट करते हुए दिखाया जाता है। इस बीच ज्ञान, मां लक्ष्मी की समृद्धि, मां दुर्गा का दम, इतना सब कुछ होने के बाद भी डरना पड़े, फुल टू देसी। इस टीजर को शेयर करते हुए काजोल ने कैप्शन में लिखा, आप लोगों के साथ इसे शेयर करते हुए बहुत खुशी हो रही है। महारागनी यानी रानियों की रानी, थोड़े पल के लिए रुकें और आनंद लें! उम्मीद है कि आप लोगों को यह पसंद आएगी। फिल्म चरणतेज उप्पलपति द्वारा निर्देशित है।

पत्नी काजोल के अपकमिंग फिल्म के टीजर पर अजय देवगन ने कमेंट किया था और लिखा था, आली रे आली, महारागनी आली।

फिल्म का निर्माण बावेजा स्टूडियोज और ई7 एंटरटेनमेंट्स लेबल के तहत किया गया है। वेंकट अनीश डोरिगिल्लू और हरमन बावेजा द्वारा निर्मित, एक्शन फिल्म में फोटोग्राफी डायरेक्टर जीके विष्णु हैं।

स्क्रीनप्ले निरंजन अयंगर और जेसिका खुराना का है। प्रोडक्शन डिजाइनर साही सुरेश, एडिटर नवीन नूली और म्यूजिक डायरेक्टर हर्षवर्धन रामेश्वर हैं। फिल्म की कहानी निरंजन अयंगर और जेसिका खुराना ने मिलकर लिखी है। महारागनी पूरे भारत में हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म वेदा

जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ स्टारर वेदा का नया पोस्टर आया सामने

मुंज्या और महाराज में नजर आने के बाद अब एक्ट्रेस शरवरी वाघ जल्द जॉन अब्राहम के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म वेदा में दिखाई देने वाली है। ये मूवी अगले महीने अगस्त में रिलीज होने के लिए तैयार है। फैंस भी पठान के बाद एक बार फिर अभिनेता को एक्शन अवतार में देखने के लिए उत्साहित हैं।

ऐसे में अब एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है और साथ ही जॉन के किरदार के लिए एक खास नोट भी लिखा है।

निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी फिल्म वेदा का नया पोस्टर शरवरी वाघ ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें जॉन-शरवरी एक साथ नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा है कि अभिमन्यु सर, म्हारी दुनिया में आप एक अकेले ऐसे इंसान हो, जिसने कभी-कोई फर्क नहीं किया। गुरु हो आप मेरे, जिसने म्हारा साथ दिया, लड़ना सिखाया, दुनिया की रीति-नीति, सही-गलत सिखा के एक फाइटर बनाया। अन्याय सहना नहीं, बाल्की अन्याय के खिलाफ जंग करने का रास्ता आपने दिखाया। आप प्रेरणा हो म्हारी और मेरे जैसी कई वेदा की। आज गुरु पूर्णिमा के दिन, वादा है ये फाइटर वेदा का आपसे कि ये जंग जो अन्याय के खिलाफ छेड़ी है मैंने आखिर तक लड़ूंगी भी और जीतूंगी भी। आपकी शिष्य, वेदा।

जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ के अलावा इस मूवी में तमन्ना भाटिया और अभिषेक बनर्जी भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देने वाले हैं। ये फिल्म जी स्टूडियोज, एम्मे एंटरटेनमेंट और जेए एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। वेदा एक एक्शन ड्रामा मूवी है, जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। पहले यह मूवी जुलाई में रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट बदल दी।

अब यह फिल्म 15 अगस्त, 2024 स्वतंत्रता दिवस वाले दिन सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इस फिल्म के साथ अक्षय कुमार की खेल खेल में और श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 भी टक्कर लेने वाली है।

बॉक्स ऑफिस पर छाई विक्की कौशल तृप्ति डिमरी की फिल्म बैड न्यूज

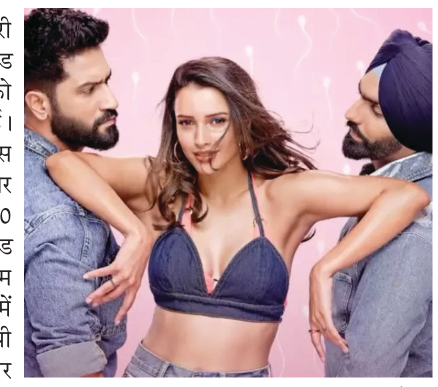

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क स्टारर बैड न्यूज 19 जुलाई, शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। आनंद तिवारी निर्देशित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपने दूसरे दिन भारत में 10 करोड़ रुपये कमाए। ट्रेड एनालिस्ट के मुताबिक फिल्म की दूसरे दिन की कमाई में बढ़ोतरी होनी चाहिए थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ और फिल्म की कमाई में सिर्फ 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

यह फिल्म के बिजनेस के लिए अच्छी खबर नहीं है क्योंकि कुछ मूवी चेन ने पहले दिन से ही कमाई में गिरावट देखी है। 8 ।3 करोड़ रुपये से ओपनिंग करने और अपने पहले शनिवार को 10 करोड़ रुपये कमाने के बाद, बैड न्यूज की दो दिन की कमाई 18 ।3 करोड़ रुपये हो गई है। इसी के साथ फिल्म की कमाई में सिर्फ 50-60 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। उम्मीदें थीं कि बैड न्यूज एक ही वीकेंड में 35 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर लेगी लेकिन फिल्म अपने दूसरे दिन उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी।

अगर सोमवार को 50 से कम की गिरावट आती है तो विक्की कौशल की फिल्म का पहले हफ्ते का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन अच्छा नहीं हो सकता है। हालांकि इसके बावजूद बैड न्यूज ने विक्की कौशल को एक ऐसा स्टार बना दिया है जो अपनी फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर अच्छे नतीजे दिला सकता है। बैड न्यूज ने साल की छठी सबसे अच्छी हिंदी ओपनिंग हासिल की है। बैड न्यूज के बाद विक्की कौशल की छावा से भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी, एमी विर्क और नेहा धूपिया ने फिल्म में खास रोल प्ले किया है। जबकि अनन्या पांडे और नेहा शर्मा ने फिल्म में कैमियो किया है।

विक्रम व महेश भट्ट की हॉन्टेड फिल्म ब्लडी इश्क की रिलीज टेड आई सामने

हॉरर जॉनर के बादशाह कहे जाने वाले विक्रम भट्ट एक बार फिर से नई फिल्म के साथ वापसी के लिए तैयार हैं।

बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर विक्रम भट्ट और महेश भट्ट एक बार फिर से दर्शकों को डराने के लिए तैयार हैं। उनकी नई हॉरर फिल्म ब्लडी इश्क की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। यह फिल्म 26 जुलाई को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रीमियर होगी। फिल्म ब्लडी इश्क महेश भट्ट द्वारा प्रस्तुत और विक्रम भट्ट द्वारा निर्देशित है। इस फिल्म में अविका गौर और वर्धान पुरी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। हाल ही में इस फिल्म का पोस्टर और रिलीज डेट साझा किया गया, जिसने फैंस के बीच काफी उत्सुकता पैदा कर दी है।

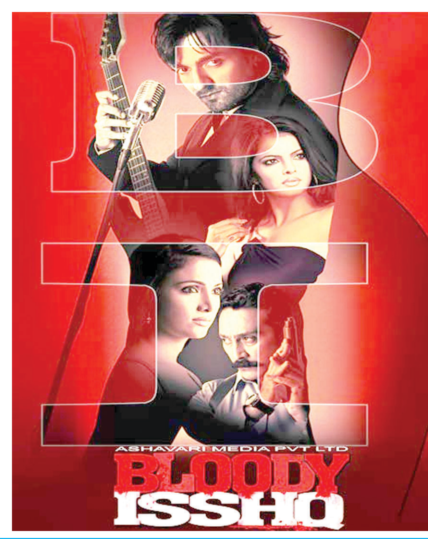

अपनी फिल्म के बारे में बात करते हुए विक्रम भट्ट ने कहा, आप लोगों के लिए ये विश्वास करना मुश्किल होगा लेकिन मुझे हॉरर फिल्में देखने से डर लगता है। हालांकि मैं अपने व्यूअर्स के लिए ऐसी फिल्में बनाना बहुत पसंद करता हूं। मैं काफी समय से हॉरर लव स्टोरी बनाने की कोशिश कर रहा था फिर मैंने भट्ट साहब से इस बारे में बात की। उन्होंने बिना कुछ सोचे समझे इसके लिए हामी भर दी और अब हम ब्लडी इश्क लेकर आ रहे हैं।

वहीं अविका गौर की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, अविका इंडस्ट्री की सबसे टैलेंटेड एक्टर्स में से एक हैं। 1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट के बाद मुझे पता था कि मैं उन्हें ब्लडी इश्क में कास्ट करने वाला हूं। उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस को वाकई निखारा है। मुझे विश्वास है कि इस फिल्म को लोगों के लिए भुला पाना मुश्किल होगा।

शर्लिन चोपड़ा का बोल्ड अवतार हुआ वायरल

रिवीलिंग आउटफिट में गिराई बिजली

बॉलीवुड की बोल्ड और बेबाक अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा हमेशा ही अपने बोल्ड लुक्स के लिए चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वह बेहद हॉट लग रही हैं। इस तस्वीर में शर्लिन ने ग्रे रंग का रिवीलिंग आउटफिट पहना हुआ है और ऑफ व्हाइट स्नीकर्स कैरी किए हुए हैं। उन्होंने अपने बालों को एक खास अंदाज में बांधा हुआ है और लाइट मेकअप के साथ मिरर के सामने पोज दे रही हैं। शर्लिन का यह बोल्ड अवतार उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है। फैंस उनके इस लुक पर खूब प्यार बरसा रहे हैं और उन्हें लगातार कमेंट्स और लाइक्स कर रहे हैं। शर्लिन की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

शर्लिन चोपड़ा (Sherlyn Chopra) का जन्म 11 फरवरी 1984 को हुआ था। शर्लिन चोपड़ा (Sherlyn Chopra) का असली नाम मोना चोपड़ा है। शर्लिन ने अपने करियर की शुरुआत साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म टाइमपास से की थी। शर्लिन भारत की पहली ऐसी महिला हैं, जिन्होंने प्लेबॉय मैग्जीन के लिए न्यूड फोटोशूट कराया था। इस फोटोशूट के बाद शर्लिन काफी सुर्खियों में रही थीं। शर्लिन हिंदी फिल्मों के अलावा कई तेलुगु फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। शर्लिन टीवी जगत में भी अपना जलवा दिखा चुकी हैं। शर्लिन चोपड़ा (Sherlyn Chopra) ने एम टीवी के शो स्पिल्ट्सविला को होस्ट किया था। इसके अलावा शर्लिन रियलिटी शो बिग बॉस के सीजन 3 में दिखाई दी थीं।

मालवी मल्होत्रा का स्पेशल सॉन्ग शाहबानो रिलीज!

आडू एंटरटेनमेंट के बैनर तले अभिनेत्री मालवी मल्होत्रा का स्पेशल गाना शाहबानो डिवो म्यूजिक के जरिए रिलीज किया गया है। गौतम चव्हाण द्वारा निर्मित और भास्कर बंटुपल्ली द्वारा निर्देशित इस गाने की कोरियोग्राफी यश मास्टर ने की है। रिलीज के बाद इस गाने को युवाओं से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें युवा सितारे गाने की रील बना रहे हैं। शानदार लोकेशन पर फिल्माया गया यह गाना अपने मधुर और आकर्षक बोलों से लोगों का मन मोह लेता है।

प्रतिभाशाली गायक साकेत कोमांडुरी ने अपने अनोखे अंदाज में इस गाने को संगीत दिया है। गाने की सिनेमैटोग्राफी ए।डी। मार्गल ने की है, जबकि श्रीकांत पटनायक ने संपादन किया है। आर। आर। मुरलीमोहन कार्यकारी निर्माता हैं और आर। चंद्रमोहन लाइन प्रोड्यूसर हैं। शाहबानो गाने को तेलुगु, हिंदी, तमिल और कन्नड़ में एक साथ रिलीज़ किया गया था, जिसमें सोनी कोमांडुरी ने सभी संस्करणों के लिए स्वर प्रदान किए थे। उल्लेखनीय है कि सोनी कोमांडुरी ने बाहुबली फिल्म में प्रसिद्ध हंसा नावा गाना भी गाया था।

सेब के छिलके के फायदे कर देंगे आपको हैरान, आप ऐसे करें इसका इस्तेमाल

चेहरे पर होने वाले पिंपल से अधिकतर लोग परेशान रहते हैं। इससे छुटकारा पाने के लिए लोग बाजार के कई महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। यही नहीं कुछ लोग तो मेडिकल ट्रीटमेंट की भी सहायता लेते हैं, लेकिन अब आप एक घरेलू नुस्खा आजमा कर अपने चेहरे को चमकदार और खूबसूरत बना सकते हैं।

हम बात कर रहे हैं सेब की। यह सेहत के लिए फायदेमंद होने के साथ साथ त्वचा के लिए भी काफी लाभकारी माना गया है। सेब के छिलके का इस्तेमाल कर आप अपनी त्वचा को निखार सकते हैं। आइए जानते हैं सेब के छिलके का इस्तेमाल कैसे करें।

सेब के छिलके का फेस पैक

आप सेब के छिलके का फेस पैक बना सकते हैं। इसका फेस पैक बनाने के लिए सेब के छिलके को कुछ दिनों तक धूप में सुखाएं,

फिर इसका पाउडर बना ले। अब दो चम्मच सेब का पाउडर, एक चम्मच बारीक पिसा हुआ दलिया पाउडर और एक चम्मच शहद, इन तीनों को अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट तैयार कर ले। इस पेस्ट को 15 से 20 मिनट के लिए अपने चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें।

इसके बाद साफ पानी से अपना चेहरा धो लें। इसके अलावा आप सेब के छिलके से एक और फेस पैक बना सकते हैं। इसके लिए आपको एक कटोरी में दो चम्मच सेब के छिलके का पाउडर लेना है और इसमें जरूरत के हिसाब से थोड़ा दूध मिलाकर पेस्ट तैयार करना है।

इस पेस्ट को आप अपने चेहरे और गर्दन पर 15 से 20 मिनट के लिए लगाएं। उसके बाद साफ पानी से अपना चेहरा धो ले। आप इस फेस पैक में दो चम्मच बटर मिल्क भी मिल सकते हैं। यह भी त्वचा के लिए काफी फायदेमंद माना गया है।

सेब के छिलके के फायदे

अगर आप सेब के छिलके से बने फेस पैक का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे चेहरा सॉफ्ट और चमकदार बनता है। सेब के छिलके में मौजूद विटामिन ए, सी, ई और के भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो स्किन को मॉइस्चराइज करने में काफी मदद करता है, साथ ही दाग धब्बे और पिंपल्स से छुटकारा दिलाता है। यही नहीं सेब के छिलके का इस्तेमाल कर आप आंखों के नीचे होने वाले काले घेरे से भी छुटकारा पा सकते हैं।

खास खबर

शिवालयों में गूंजा हर-हर महादेव

राजनांदगांव। सावन माह प्रथम दिवस सोमवार 22 जुलाई 2024 को शहर के सभी शिवालयों में बड़ी संख्या में भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना विधि-विधान से की गई । भक्तों द्वारा भगवान भोलेशंकर का जलाभिषेक , दुग्धाभिषेक , बेलपत्र , कनेर , फुडहर धतूरा पुष्प श्रीफल आदि भेंट कर कपूर दीप से आरती किये है । रानी मंदिर समिति छुईखदान के संरक्षक लतारानी लाल जे के वैष्णव ने जानकारी दी कि सावन माह 2024 में पांच सोमवार पड़ने पर भोलेशंकर की पूजा होगी । पं प्रदीप मिश्रा जी के जून 2024 में गंडई में शिव महापुराण कथा से भक्तों बच्चों द्वारा बड़ी संख्या में श्री शिवाय नमस्तुभ्यं पाठ से मंदिर परिसर गुंजित रहा है । सावन माह प्रथम दिवस सोमवार को अच्छी बारिश में भक्त गण भोलेनाथ की पूजा प्रसन्नता से किए। प्रतिवर्ष अनुसार महिला रामायण मंडली बाईसाहब मंदिर एवं बजरंग रामायण मंडली जस समिति छुईखदान द्वारा सभी मंदिरों में जाकर भजन कीर्तन किया जाता है । शिवालयों सहित शहर में भक्त जन द्वारा ऊं नमः शिवाय , हर हर महादेव की भक्ति भाव से गूंजित रहा। भक्त जनों द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंगों की कथा , महामृत्युंजय मंत्र जाप , श्री शिव चालीसा पाठ एवं शिव तांडव स्तोत्र पाठ किया जाता है ।

मलेरिया के नियंत्रण और बचाव के लिए दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच रही स्वास्थ्य विभाग की टीम

गरियाबंद। विषम भौगोलिक परिस्थियों और घने जंगलों से आच्छादित होने के कारण बारिश के दिनों में जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में मलेरिया के केस बढ़ने की संभावना रहती है।लोगों को मलेरिया से बचाने एवं मलेरिया प्रकरण नियंत्रित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में मलेरिया रोकने के लिए सक्रियता से अभियान चलाया जा रहा है।स्वास्थ्य विभाग की टीम दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों के बसाहटों में पहुंच रही है।घने जंगलों एवं नदी-नालों को पारकर स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिन की टीम गांवों में पहुंचकर लोगों को मलेरियारोधी दवाईयों के साथ मच्छरदानी का भी वितरण कर रही है।साथ ही लोगों को मलेरिया से बचाव के लिए किये जाने वाले आवश्यक उपाय के बारे में जागरूक भी किया जा रहा है।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ गार्गी यदु पाल ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग पूरी जिम्मेदारी और तत्परता से कार्य करते हुए मलेरिया की रोकथाम के लिए प्रयास कर रही है।मलेरिया की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए गत वर्षों में जहां मलेरिया के अधिक प्रकरण मिले थे उन 60 ग्रामों में डी.डी.टी. का छिड़काव किया गया है।उन्होंने बताया कि जिले के तीन विकासखंडों (गरियाबंद,छुरा एवं मैनपुर) में मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में वर्ष 2022 में कुल 75 हजार 77 मच्छरदानी तथा वर्ष 2023 में 37 हजार 499 मच्छरदानी वितरित की गई थी।इसी प्रकार वर्तमान में भी लगातार मच्छरदानियों का वितरण किया जा रहा है।

बरसते पानी में ग्रामीणों के बीच पहुँचा जिला प्रशासन

बालोद। बालोद विकासखण्ड के ग्राम सांकरा ज में आज आयोजित जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में शामिल होने के लिए कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे सहित जिला प्रशासन के आला अधिकारियों ने जन प्रतिनिधियों के साथ बरसते पानी में ग्रामीणों के बीच पहुँचकर उनके माँगों एवं समस्याओं से रूबरू हुए। जिसके फलस्वरूप ग्राम सांकरा में आज आयोजित जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर घनघोर बारिश के उपरांत भी सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ग्राम सांकरा ज में आज आयोजित जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर ग्राम सांकरा ज सहित अंचल वासियों के लिए सौगातों भरा रहा। इस दौरान शिविर में विभिन्न विभागों से प्राप्त कुल 240 आवेदनों में से 200 आवेदनों का मौके पर ही निराकृत किया गया। इस दौरान कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे, वरिष्ठ जन प्रतिनिधि पवन साहू, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कृतिका साहू एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपने माँगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु जन समस्या निवारण शिविर में पहुँचे ग्रामीणों से चर्चा कर उनके समस्याओं के संबंध में जानकारी ली।

बजट 2047 तक विकसित भारत के सपने की मजबूत नींव रखेगा : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बजट सत्र की शुरुआत से पहले मीडिया को एक बयान दिया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने इस तथ्य पर गर्व व्यक्त किया कि 60 वर्ष के अंतराल के बाद कोई सरकार लगातार तीसरी बार आई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तीसरी बार सत्ता में आई सरकार द्वारा बजट पेश करने के कार्य को देश एक गौरवशाली घटना के रूप में देख रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बजट अमृत काल के मील के पत्थर का बजट है और सरकार एक निर्धारित अवधि में दी गई गारंटियों को वास्तविक रूप से साकार करने के लिए कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि यह बजट मौजूदा सरकार के अगले पांच वर्षों की दिशा निर्धारित करते हुए वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने की मजबूत नींव रखेगा।उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले लगातार तीन वर्षों में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाला देश है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक दृष्टिकोण, निवेश और कार्य प्रदर्शन के कारण आज देश में उपलब्ध अवसर चरम पर हैं। यह देखते हुए कि अब राजनीतिक दलों के बीच सभी लड़ाइयां लड़ी जा चुकी हैं और नागरिकों ने लोकसभा चुनाव के समापन के बाद सरकार चुनी है, प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों से एक साथ आकर अगले 5 वर्षों के दौरान देश के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपने संगठनों से ऊपर उठने और अगले साढ़े चार वर्षों के लिए संसद के गरिमामय मंच का उपयोग करके राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाने का भी आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि जनवरी 2029 में चुनाव की रणभूमि में अवश्य जाएं पर तब तक आपकी एकमात्र प्राथमिकता देश, इसके गरीब, किसान, महिलाएं और युवा होने चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 में विकसित भारत के सपनों और संकल्पों को साकार करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी। प्रधानमंत्री ने इस बात पर दुःख व्यक्त किया कि कुछ राजनीतिक दलों के नकारात्मक दृष्टिकोण के कारण कई सांसदों को अपने विचार और अपने निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों को सामने रखने का कोई अवसर नहीं मिला है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध किया कि वे सभी सदस्यों, खासकर पहली बार चुनकर आए सदस्यों को अपने विचार रखने का अवसर दें। श्री मोदी ने लोगों को निर्वाचित सरकार और संसद में प्रधानमंत्री के भाषण पर अंकुश लगाने के बारे में याद दिलाया। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि लोकतांत्रिक परंपराओं में इसका कोई स्थान नहीं है।

प्रधानमंत्री ने सांसदों को स्मरण कराया कि देश की जनता ने राजनीतिक दलों के एजेंडों के लिए नहीं बल्कि देश की सेवा के लिए अपना जनादेश दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सदन राजनीतिक दलों के लिए नहीं है, बल्कि यह सदन देश के लिए है। यह सांसदों की नहीं, बल्कि भारत के 140 करोड़ नागरिकों की सेवा के लिए है। अपने संबोधन का समापन करते हुए प्रधानमंत्री ने यह विश्वास व्यक्त किया कि सभी संसद सदस्य सार्थक चर्चा में अपना योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि देश को सकारात्मक विचारों की आवश्यकता है ताकि इसे आगे ले जाया जा सके। उन्होंने कहा कि विरोध करने वाले विचार बुरे नहीं होते, बल्कि नकारात्मक विचार ही विकास में बाधा डालते हैं। उन्होंने विश्वास के साथ कहा कि लोकतंत्र के इस मंदिर का उपयोग आम नागरिकों के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

गुरुपूर्णिमा पर स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रम गुरूओं का तिलक लगाकर किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आह्वान व कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिले के स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। शांति नगर स्थित पी. जी. उमाठे उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में जिला मिशन समन्वयक के.एस. पटले के मुख्य आतिथ्य में गुरुपूर्णिमा का उत्सव मनाया गया। पटले ने कहा कि हमारी परंपरा बहुत महान है। प्राचीन काल से इसे सर्वोच्च स्थान दिया गया है।

गुरूजनों को याद करते कहा कि इन्होंने वेदों की रचना की। उन्होंने बताया कि गुरू शिष्य की परंपरा प्राचीन है। ऋषि मुनियों ने वेद जैसे ग्रंथो की रचना की। उन्होंने ने कहा कहा कि पढ़ाई के साथ लिखने का अभ्यास कीजिए। रविंद्र नाथ टैगौर ने एक बार बहुत सारे पुस्तकों को पढ़ने की अपेक्षा एक ही पुस्तकों को अधिक बार पढ़ना चाहिए। मनुष्यों के जीवन निर्माण में गुरुओं की अहम भूमिका होती है। ऐसे में माना जाता है कि जिन गुरुओं ने हमें गढ़ने में अपना योगदान दिया है। उनके प्रति हमें कृतज्ञता का भाव बनाए रखना चाहिए और उसे जाहिर करने के दिन के तौर पर ही गुरु पूर्णिमा का त्यौहार मनाया जाता है। वेद को पूरे विश्व के पहले ऋषि माने जाते हैं, इन्होंने भारतीय परंपरा में ज्ञान की ऐसी महत्वपूर्ण काम किए जो आज भी प्रारंभिक है। उन्होंने कहा कि वैसे तो हर दिन गुरु की सेवा करना चाहिए, लेकिन यह दिन पूर्ण रूप से गुरु को समर्पित होता है। इस दिन का उल्लेख रामायण व महाभारत काल में भी किया गया है। कहा जाता है कि इस दिन का इतिहास हजारों लाखों वर्ष पुराना है। 3000 ईसवीं पहले आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा के दिन महाभारत के रचयिता वेद व्यास का जन्म हुआ था। कहा जाता है कि इसी दिन वेद व्यास जी ने भागवत पुराण का भी ज्ञान दिया था। यही कारण है कि हर साल आषाढ़ माह के पूर्णिमा तिथि को गुरु पूर्णिमा मनाया जाता है। इसे व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत 381 ग्रामों में से 373 ग्राम ओडीएफ प्लस मॉडल श्रेणी में शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत जिले में कुल 381 ग्रामों में से 373 ग्राम ओ.डी.एफ. प्लस मॉडल, 05 ग्राम रायसिंग एवं 02 ग्राम एस्पायरिंग श्रेणी में है। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में 30 जुलाई 2024 तक समस्त ग्रामों को ओ.डी.एफ. प्लस श्रेणी में लाकर ओ.डी.एफ. सत्यापन का कार्य पूर्ण कराया जाना है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 अगस्त 2024 को सम्पूर्ण जिले को ओ.डी.एफ मॉडल घोषित किये जाने का लक्ष्य लिया गया है। इस हेतु विभिन्न कार्यों के लिए समय सीमा निर्धारित की गई है। जिसके अंतर्गत ग्रामों में सभी स्वीकृत निर्माण कार्य जैसे सेग्रीगेशन वर्कशेड, डीप-बिरियल, नॉडेप, वर्मी, सोख्ता गड्ढा, रिचार्ज पिट, त्रिस्तरीय जल शुद्धिकरण इकाई आदि पूर्ण कराना, सेग्रीगेशन वर्कशेड में कचरा पृथक्कीकरण करने हेतु अलग-अलग खण्ड तैयार करना, सभी ग्रामों में घर-घर कचरा एकत्रीकरण का कार्य प्रारंभ करना, स्वच्छाग्राहियों का प्रतिमाह नियमित मानदेय प्रदाय करना, ग्राम में स्वच्छता बनाए रखने के लिये यूजर चार्ज प्रारंभ कर वसूल करना, ग्राम को प्रथम दृष्टया स्वच्छ ग्राम बनाना, ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित कर सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाना, ऑन लाईन एम.आई.एस. ने एस्पायरिंग व रायजिंग श्रेणी के ग्रामों को मॉडल श्रेणी में लाये जाने हेतु आवश्यक जियो टैगिंग, एम.आई.एस. प्रतिष्टि, निर्धारित प्रमाण-पत्र एवं ग्राम सभी का प्रस्ताव व वीडियो अपलोड करना, ग्राम प्रवेश मार्ग पर ओ.डी.एफ प्लस मॉडल ग्राम शिलालेख कराना, शाला में बालक बालिका हेतु पृथक-पृथक शौचालय, हैंडवॉश, डस्टबिन, बाल केबिनेट का गठन, माहवारी स्वच्छता प्रबंधन, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की समूचित व्यवस्था, साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय, हैंडवॉश, डस्टबिन, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की समूचित व्यवस्था तथा समस्त शासकीय भवनों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में शौचालय, हैण्डवाश, दृष्टिगोचर स्वच्छता एवं ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन की समूचित व्यवस्था इत्यादि कार्यो की समय सीमा 31 जुलाई 2024 निर्धारित की गई है। इसी प्रकार 03 अगस्त 2024 तक विकासखंड स्तर पर सरपंच, सचिव, स्वच्छाग्राहियों की बैठक आयोजित किया जाना है। 05 अगस्त 2024 तक ओ.डी.एफ प्लस मॉडल श्रेणी प्राप्त कर चुके ग्रामों का ओडीएफ प्लस सत्यापन पूर्ण कर ओडीएफ प्लस सर्टिफिकेट अपलोड किया जाना है।

भिलाई इस्पात संयंत्र को यूएनआईडीओ ने संचालन हेतु सौंपा डी-क्लोरीनेशन प्लांट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पीसीबी तेल विघटन संयंत्र एक अत्याधुनिक सुविधा है, जिसे संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहायता से स्थापित किया गया है। इसके निर्माण हेतु जमीन, भवन, क्रेन, बिजली, पानी आदि जैसे बुनियादी ढांचे भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा प्रदान किये गए हैं। विगत दिनों 12 जुलाई, 2024 को यूएनआईडीओ ने, डी-क्लोरीनेशन प्लांट के संचालन की जिम्मेदारी भिलाई इस्पात संयंत्र को सौंपी। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय इस परियोजना का राष्ट्रीय निष्पादन भागीदार है। भिलाई इस्पात संयंत्र इस परियोजना का प्रमुख लाभार्थी है।

डी-क्लोरीनेशन प्रक्रिया, उच्च स्तर और निम्न स्तर पीसीबी दूषित खनिज तेल से क्लोरीन परमाणुओं को निकालने के लिए स्थापित की गई है। यह प्रक्रिया सोडियम फैलाव समाधान का उपयोग करके रासायनिक प्रतिक्रिया द्वारा क्लोरीन परमाणुओं को निकालती है। यह प्रौद्योगिकी सफलतापूर्वक चालू हो गई है। दिसंबर 2023 में चालू हुआ पीसीबी विघटन संयंत्र, अब बीएसपी द्वारा तीनों पालियों में संचालित किया जाता है। परियोजना की सफलतापूर्वक पूर्णता के बाद, डी-क्लोरीनेशन प्लांट को 12 जुलाई, 2024 को भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा स्वतन्त्र रूप से संचालन हेतु ले लिया गया है। महाप्रबंधक संजय कुमार ने बताया की यह यात्रा आसान नहीं थी, क्योंकि यह प्रणाली बिजली के उतार-चढ़ाव के प्रति बहुत संवेदनशील है। ऐसे मामलों में अचानक थर्मल शॉक के कारण गैसकेट पंचर हो जाता है। पूरे सिस्टम को खोलकर क्षतिग्रस्त गैसकेट आदि को बदलना पड़ता है। इसी प्रकार पीसीबी तेल के घनत्व में परिवर्तन से ऑक्सीजन प्रवाह के विभिन्न मापदंडों को बदलने की आवश्यकता होती है। उन्होंने भरोसा दिलाया, कि जल्द ही प्लासकॉन प्रणाली को भी बीएसपी द्वारा स्वतन्त्र रूप से संचालन हेतु ले लिया जाएगा।

45 किलो प्रति घंटे की दर से पीसीबी तेल को नष्ट करने की क्षमता के साथ, पीसीबी विघटन संयंत्र ने कई उपलब्धि हासिल की है। मई महीने में ही संयंत्र ने 17.2 टन तेल को नष्ट कर 66 प्रतिशत रेटेड क्षमता हासिल की। अब तक 91 टन पीसीबी तेल नष्ट किया जा चुका है और जल्द ही यह प्लांट 100 टन का मील का पत्थर हासिल कर लेगा। उन्नत विदेशी मशीनरी से सुसज्जित, यह संयंत्र पुराने ट्रांसफार्मरों में आमतौर पर पाए जाने वाले हानिकारक पीसीबी तेल को निष्क्रिय करने के लिए 'प्लासकॉन' तकनीक का उपयोग करता है। पीसीबी तेल पर्यावरण के लिए हानिकारक है और इसका उत्पादन और उपयोग विश्व स्तर पर प्रतिबंधित है।

जिले को नशा मुक्त करने सभी विभाग मिलकर करें कार्य- कलेक्टर

सूरजपुर। आज समय सीमा की बैठक कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में रखी गई थी। जिसमें कलेक्टर रोहित व्यास ने जिले में संचालित सभी योजनाओं की विभागवार जानकारी प्राप्त की और आवश्यक निर्देश दिए। इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर नयनतारा सिंह तोमर, संयुक्त कलेक्टर नरेंद्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर शिवानी जायसवाल, सर्व एसडीएम सहित अन्य संबंधित जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर जिले में शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सभी स्कूलों की स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। शाला प्रवेश, स्कूलों में साफ सफाई की अच्छी व्यवस्था एवं स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कलेक्टर श्री व्यास ने स्कूली बच्चों में गुटखा तंबाकू खाने की प्रवृत्ति बढ़ने पर चिंता जताते हुए कहा कि स्कूल परिसर के 100 मीटर के दायरे में गुटखा, तंबाकू बेचना अपराध है । इस बेचते हुए पाए जाने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी इसलिए नगरीय निकाय के अधिकारियों एवं पंचायत विभाग को सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा उल्लास कार्यक्रम के तहत साक्षरता कार्यक्रम को शत प्रतिशत रूप में लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने गहन डायरिया नियंत्रण कार्यक्रम की जानकारी लेते हुए इसके सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिये स्वास्थ्य विभाग को कहा। साथ ही समस्त नगरीय निकायों के सीएमओ को स्पष्ट निर्देश दिए कि लोगों के घर में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो जिसके लिए सैंपल की जांच कराएं। साथ ही उन्होंने पानी आपूर्ति के लिए उपयोग में लाए जा रहे है।

सावन की पहली बारिश में ही कई गांव का संपर्क जिला मुख्यालय से टूटा

गरियाबंद। रविवार शाम श्रावण मास प्रारंभ हो चुका है और श्रावण मास के पहले से ही क्षेत्र में रुकरुक हो रही तेज बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है,वही सोमवार के सुबह से जिला मुख्यालय से पांच किलोमीटर दूर ग्राम नांगाबुडा का संपर्क जिला मुख्यालय से टूट गया है।ज्ञात हो कि ग्राम नांगाबुडा से लगे छै मासी नाला के रपटा के ऊपर दो से तीन फीट पानी का बहाव चल रहा है जिससे उस और पड़ने वाले ग्राम का संपर्क टूट गया है ,क्योंकि नांगाबुडा से आगे बारुका और सम्बलपुर ग्राम के समीप दो नाले है चिखली ग्राम के साथ घुटकुनवापारा नाले में भी पानी चलने के कारण उस ग्राम के लोगो का संपर्क जिला मुख्यालय से विक्षेद हो गया है।

खास खबर

कोरबा में सांप के कांटने से 2 की मौत, 1 गंभीर, लोगों ने एक सांप को मार डाला

कोरबा। कोरबा जिले के कटघोरा में सांप के काटने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला की हालत गंभीर है। महिला को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज हास्पिटल कोरबा में भर्ती कराया गया है। वहीं घटना की जानकारी होने पर एक सांप को लोगों ने मार डाला, जबकि स्नेक केचर ने दूसरे सांप को रेस्क्यू कर लिया। घटना कटघोरा के मोहलाइनभाठा का है।

जानकारी के मुताबिक, करैत सांप ने सोमवार सुबह 3.50 बजे फैजल खान को काट लिया। सांप के काटने की जानकारी मिलते ही फैजल को अस्पताल ले जाया जा रहा था, जहां रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद इसी इलाके में रहने वाले रोहित चौबे और उसकी पत्नी को भी सांप ने काटा। इसी बीच आसपास के लोगों ने स्नैक केचर केशव जायसवाल को घटना की जानकारी दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंच उसने सांप को पकड़ लिया, जबकि उसके आने से पहले लोगों ने एक सांप को मार डाला था।

मृतक रोहित चौबे के भाई राजेश ने बताया कि सुबह 4 बजे के आसपास उसने भाभी की चीख सुनी। कमरे में जाकर देखा तो उनके हाथ और भाई के गले मे सांप के काटने का निशान था। दोनों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। बाद में भाई की मौत हो गई, जबकि भाभी का इलाज जारी है।

बलरामपुर में हाथी के हमले से एक की मौत, अपने साथी के साथ लौट रहा था गांव

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के वन परिक्षेत्र रामानुजगंज में सोमवार की देर रात एक ग्रामीण को हाथी ने बेरहमी से कुचल दिया। इस हमले में ग्रामीण की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इस दौरान ग्रामीण के साथ मौजूद एक व्यक्ति ने भाग कर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान राजाराम सिंह (45) निवासी कृष्णानगर धमनी के तौर पर हुई है। राजाराम अपने साथी लक्ष्मण सिंह (50) के साथ गांव से बाहर ग्राम चाकी गया था। देर रात वापस लौट रहा था। इसी दौरान उन दोनों का हाथी से सामना हो गया। बगरा मोड़ के नजदीक हाथी ने उस पर अचानक हमला कर दिया, जिससे ग्रामीण हाथी से खुद को बचा नहीं सका और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसका साथी लक्ष्मण सिंह अपनी जान बचाकर मौके से भाग निकला और गांव आकर इसकी जानकारी गांव वालों की दी।

एसीसी जामुल में ट्रक मालिक व ड्राइवरों की मिलीभगत से कोयला सप्लाई में हेरफेर

कोरबा के दीपिका से लाया जा रहा था कोयला, बीच रास्ते कोयल में होती थी मिलावट, तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र स्थित एसीसी अड़ानी सिमेंट फैक्ट्री में कोयला सप्लाई में भारी हेरफर का मामला सामने आया है। कोरबा के दीपिका खदान से कोयला लोड़ कर एसीसी लाने वाले ट्रक मालिक व उसके ड्राइवरों की मिलीभगत से यह सारा खेल चल रहा था। इस मामले में जामुल पुलिस ने हेराफेरी करने वाले तीन आरोपियों को पकड़ा है। वहीं दो ट्रक मालिक फरार हैं जिनकी तलाश की जा रही है। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 407, 511 के तहत कार्रवाई की है।

मिली जानकारी के अनुसार इस संबंध में करीब एक माह पहले 22 जून 2024 को एसीसी सीमेंट कम्पनी प्रबंधक द्वारा एक लिखित आवेदन पेश किया गया था। आवेदन के माध्यम से उसने बताया कि एसीसी कम्पनी में दीपका खदान से मंगाये जाने वाले कोयले में हेराफेरी किया जा रहा है। दीपिका से बेस्ट क्वालिटी का कोयला मंगाया जाता है लेकिन कंपनी में खराब क्वालिटी का कोयला आ रहा है। शिकायत के आधार पर थाना जामुल में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की गई।

विवेचना के दौरान पता चला कि दीपका खदान कोरबा से जी 11 ग्रेड के कोयला परिवहन कर एसीसी कम्पनी लाना था जिसे रास्ते में तीन ट्रक सीजी 10 बीएस 8330, सीजी 11 एबी 7704, सीजी 04 एलआर 7645 के वाहन चालकों के द्वारा कोयला को बदल कर दूसरा खराब क्वालिटी का कोयला कंपनी में लाया जा रहा है। थाने मे शिकायत के बाद तीनों ट्रकों के चालक व मालिक फरार हो गए। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला, के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर एवं नगर पुलिस अधीक्षक छावनी हरीश पाटिल के मार्गदर्शन में फरार आरोपियों की तलाश शुरू की गई।

मुखबिर की सूचना पर फरार आरोपी गिरफ्तार

इस बीच थाना प्रभारी जामुल कपिल देव पाण्डेय की टीम द्वारा मुखबिर सूचना के आधार पर घटना के बाद से फरार आरोपियों नवागांव मोहदा बिलासपुर निवासी लव कुमार साहू (29), रूपेश कुमार साहू (21) तथा राजेन्द्र प्रजापति (29) को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपियों ने बताया कि कोयले को दीपका खदान से लाते समय बीच रास्ते मे सारगॉव कोयला डिपो में ट्रक मालिक जगदीश साहू व कैलाश साहू के कहने पर अच्छी ग्रेड के कोयले को बदल कर खराब क्वालिटी के कोयले को एसीसी कम्पनी जामुल मे पहुंचाया जाता था। इसके बाद पुलिस ने तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय जिला दुर्ग मे पेश किया गया है। वहीं दोनों ट्रक मालिकों की पता तलाश जारी है। उक्त कार्रवाई में जामुल थाना के आरक्षक चेतमान गुरुंग, गंभीर जाट, अजय सिंह, सैमुअल, अरविंद सिंह और रत्नेश शुक्ला की सराहनीय भूमिका रही।

रायगढ़ में अनियंत्रित होकर पलटी पिकअप घायल हुई आठ से ज्यादा महिलाएं

रायगढ़। धरमजयगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सिसिरिंगा के पास रविवार की रात सवारियों से भरी पिकअप पलट गई। इस दौरान पिकअप में सवार आठ से अधिक महिलाएं घायल हो गईं। बताया जा रहा है कि सभी महिलाएं एक शादी समारोह में शामिल होने रैरूमा से सिथरा गई थीं। वापसी के दौरान यह घटना घटित हो गई। घायल महिलाओं ने यह भी बताया कि पिकअप चालक शराब के नशे में धुत था।

पिकअप पलटने की घटना के बाद मौके पर घायलों की चीख-पुकार मच गई। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों ने डायल 112 के अलावा धरमजयगढ़ पुलिस को घटना से की जानकारी दी। घायलों को निजी वाहन के जरिये धरमजयगढ़ के सिविल अस्पताल में ले जाकर भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।

बिलासपुर में एसबीआई के मैनेजर व असिस्टेंट मैनेजर की पिटाई, कैबिन में घुसकर युवकों ने की मारपीट

■ **तखतपुर थाना क्षेत्र का मामला, लोन सेटलमेंट के लिए पहुंचे थे आरोपी**

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में बैंक में घुसकर मैनेजर व असिस्टेंट मैनेजर की पिटाई कर दी गई। तीन युवकों ने इस घटना को अंजाम दिया। घटना से एसबीआई में हड़कंप मच गया। तीनों युवकों की हरकत सीसी टीवी में कैद हो गई। वीडियो में स्पष्ट देखा जा सकता है कि किस तरह से तीन युवक बैंक मैनेजर और असिस्टेंट मैनेजर पीट रहे हैं। घटना के बाद मैनेजर की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर तीनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला तखतपुर थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार तखतपुर थाना क्षेत्र के तखतपुर कस्बे में स्टेट बैंक का तखतपुर ब्रांच संचालित है। यहां तीन युवक लोन सेटेलमेंट की बात करने ब्रांच मैनेजर के पास आए थे। उक्त युवकों ने जमीन को बंधक रख कर ट्रैक्टर के लिए लोन लिया था। पिछले काफी समय से वे लोन नहीं पटा रहे थे। बैंक ने उन्हें लोन पटाने हेतु नोटिस भेजा था। नोटिस मिलने के बाद तीनों युवक सोमवार को बैंक पहुंचे।

बताया जा रहा है कि बैंक पहुंचने के बाद युवकों से उनके द्वारा बंधक रखी गई जमीन को फ्री होल्ड कर दस्तावेज लौटाने कहा। युवकों ने कहा कि वे जमीन बेचकर लोन चुका देंगे। युवकों की बात सुनने के बाद स्टेट बैंक के मैनेजर अंकित भूषण लाल और असिस्टेंट मैनेजर प्रेम कुमार जायसवाल ने ऐसा करने से मना किया। बैंक मैनेजर ने बताया कि यह नियम विरुद्ध है लोन चुकता किए बिना बंधक जमीन को फ्री होल्ड नहीं किया जा सकता। मैनेजर की बात सुनकर तीनों युवक विवाद करने लगे। उन्होंने आक्रोशित होकर बैंक मैनेजर की पिटाई शुरू कर दी। बीच बचाव करने पर असिस्टेंट मैनेजर को भी पीटा गया। बैंक के अन्य कर्मचारी व वहां उपस्थित ग्राहकों ने बीच बचाव कर मारपीट को छुड़ाया। साथ ही पुलिस को सूचना दी।

ग्लोब चौक गोलीकांड : चार सप्ताह बाद भी पुलिस के हाथ खाली, अब एसपी ने घोषित किया 10 हजार का इनाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी टाउनशिप के ग्लोब चौक पर हुए गोली कांड के मुख्य आरोपी अमित जोश को पकड़ने में पुलिस अब तक सफल नहीं हो पाई है। घटना के चार हफ्ते बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। इसके चलते उसकी गिरफ्तारी में मदद करने या सूचना देने वालों को इनाम देने का फैसला दुर्ग पुलिस ने लिया है। इस बीच दुर्ग एसपी जितेंद्र शुक्ला ने अमित जोश की सूचना देने वाले पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है।

बता दें 25 और 26 जून की दरमियानी रात सेक्टर-6 पुलिस कंट्रोल रूम से कुछ ही दूरी पर रात 1 से 2 बजे के बीच अमित जोश व

उसके साथियों ने विश्रामपुर निवासी तीन युवकों पर गोली चलाई थी। इस घटना को गैंगवार का रूप देने का भी प्रयास किया गया, लकिन बाद में मामला कुछ और ही निकला। बहरहाल इस मामले में पुलिस ने अब तक 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि मुख्य आरोपी अमित जोश अब भी फरार चल रहा है।

घटना के बाद अमित जोश के साथ ही उससे जुड़े लोगों के अवैध कब्जों पर पुलिस और बीएसपी प्रबंधन की टीम ने कार्रवाई शुरू कर दी। यहां तक की अमित जोश की बहन और जीजा के घर को कब्जा मुक्त कराया गया और उनके घर से पिस्टल और मैग्जीन बरामद किया गया। इतना करने के बाद भी अमित जोश पुलिस के हाथ नहीं आया है। घटना के लगभग 4 हफ्ते बाद अब दुर्ग पुलिस ने आरोपी अमित जोश को पकड़ाने वालों को इनाम देने की घोषणा की है। एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि अमित जोश के बारे में बताने वाले को एसपी जितेंद्र शुक्ला ने 10 हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा की है।

कवर्धा में दर्दनाक हादसा: ट्रेलर की चपेट में आए दो बच्चे, 300 मीटर तक घसीटते रहे, दोनों की मौत

आरोपी चालक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कबीरधाम जिले में सोमवार देर शाम सड़क हादसे में दो बच्चों की मौत हो गई। दोनों बच्चे बाइक पर सवार होकर जा रहे थे इस दौरान तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आ गए। ट्रेलर की चपेट में आने से दोनों की बाइक फंस गई और लगभग 300 मीटर तक घसीटते रहे। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद ट्रेलर चालक भाग निकला जिसे घेराबंदी कर बैरियर के पास पकड़ लिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार जगतू पिता मुन्ना (10) और छोटेलाल उर्फ छोटू पिता पनसु (12) दोनों आगरपानी गांव के रहने वाले थे। गांव में बिजली बंद थी, इसलिए दोनों लड़के मोटर साइकिल से राशन कार्ड की फोटोकॉपी कराने के लिए ग्राम कुई पहुंचे। दोनों बाइक क्रमांक छत्त - 09-छ्छ्छ- 4876 में सवार होकर लौट रहे थे तभी कुकदूर की तरह से आ रही ट्रेलर क्रमांक छत्त -07-क्क्रू-6817 ने अपने चपेट में ले लिया। हादसा इतना खतरनाक था कि ट्रेलर में बाइक फंस गई थी, जो 300 मीटर तक घसीटते ले गया। वहीं दोनों कुछ दूर में छिटक गए थे।

इन दोनों को कुकदूर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनके पहुंचने से पहले मौत हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। दोनों बच्चों की मौत हो चुकी है। घटनास्थल से राशन कार्ड मिला, जिससे मृतकों की शिनाख्त हुई। आगरपानी गांव में संपर्क करने पर बच्चों के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। इधर, टक्कर के बाद भाग रहे ट्रेलर को बैरियर के पास पकड़ लिया गया है। मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

तेजस्वनी हत्याकांड: शादी से पहले मंगेतर ने तालाब में डुबा कर की हत्या

■ **नंदिनी थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस की गिरफ्त में आरोपी**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नंदिनी थाना क्षेत्र ग्राम मेडेसरा में शादी के पूर्व युवती ने तालाब में डूबने से मौत के मामले में नया मोड़ सामने आया है। जहां युवती की डूबने से मौत नहीं। बल्कि उसकी हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया था। मेडेसरा की रहने वाली तेजस्वनी जोशी का 10 जुलाई को गांव के तालाब में तैरते हुए शव बरामद हुआ था। पुलिस ने इस मामले में उसके मंगेतर हुमन जोशी को गिरफ्तार किया है।

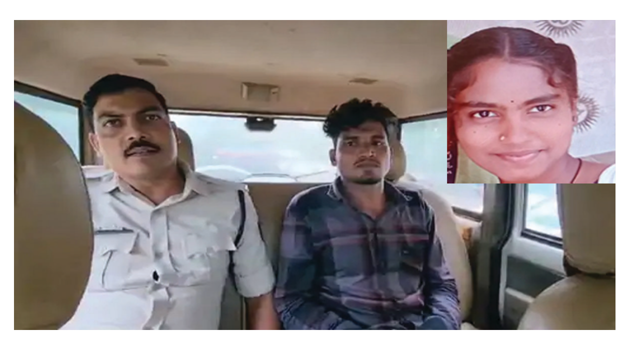

मेडेसरा गांव में 10 जुलाई को जोशी परिवार में तेजस्वनी जोशी (19 साल) की लाश गांव के ही तालाब में मिली थी। जहां घर में बजने वाली शहनाई की आवाज मातम में बदल गई थी। घटना के बाद मामले में नंदिनी पुलिस मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर जांच शुरू को गई। पीएम रिपोर्ट में हत्या की बात सामने आई। जिसके बाद पुलिस ने विवेचना में जुट गई। पुलिस ने होने वाले मंगेतर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जिसमें आरोपी ने हत्या की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है।

नंदिनी थाना प्रभारी मनीष शर्मा ने बताया कि जांच में पुलिस ने गांव के लोगों से पूछताछ करते हुए तकनीकी सहायता भी ले रही थी। इसी बीच मृतक तेजस्वनी जोशी के होने वाले मंगेतर हुमन जोशी का मोबाइल लोकेशन घटना के समय मेडेसरा में पाया गया। इस पर जब पुलिस को शक हुआ तो उन्होंने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। हुमन जोशी ने बताया कि नौ जुलाई रात तेजस्वनी से बात कर रहा था। खुद ही मिलने आने के बहाने से वहां पहुंचा और रात करीब 12 से एक बजे के करीब हत्या की नीयत से ही तेजस्वनी को तालाब के पास मिलने के लिए बुलाया। दोनों बातचीत करने लगे। इसी बीच तेजश्वनी ने अपने होने वाले मंगेतर की शादी की व्यवस्था पर ताने मारने लगी। इसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई और आरोपी सोनू जोशी ने तेजस्वनी के सिर को पकड़कर तालाब में डूबा दिया और सांस रुकते तक युवती को डूबा कर रखा था। वहीं आरोपी युवक ने बताया कि वह 11 जुलाई को रात में पुन मेडेसरा तालाब जाकर युवती के मोबाइल को फेककर वापस अपने घर आ गया था। पुलिस ने आरोपी सोनू जोशी को संदेही के आधार पर हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ में हत्या करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज गिरफ्तार कर लिया है।

नौकरी के नाम पर लाखों की ठगी, शातिर देता रहा झांसा, मामला दर्ज

■ **तीन लाख से ज्यादा गंवाने के बाद थाने में की शिकायत, जांच मे जुटी पुलिस**

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित को जब तक खुद के ठगे जाने का अहसास हुआ। तब तक वो ठग के झांसे में आकर 3,50,000 रुपये का चपत लग चुका था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी विजय साहू के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

दरअसल, पीड़ित मध्यप्रदेश के अनुपपुर जिले के राजनगर का रहने वाले राकेश कुमार अग्रहरि ने दर्ज कराया है। उसकी जमीन मरवाही में स्थित था।

जिसके बिक्री के संबंध में मरवाही आना जाना लगा रहता था। जिससे उसकी पहचान विजय सिंह बघेल स्वा. रघुनाथ सिंह बघेल निवासी लोहारी (मरवाही) के साथ सन् 2019 में हुआ था। जहां 4 अगस्त 2019 को उसने विजय सिंह बघेल के परिचित आरोपी विजय साहू जो खुद को मंत्रालय में पदस्थ अधिकारी होना बतलाया था। विजय साहू ने कहा कि मैं तुम्हारा नौकरी शिक्षा विभाग में संविदा क्लर्क में लगवा दूंगा। जिसमें तीन लाख रुपये लगेंगे। विजय साहू की बात में आकर पीड़ित राकेश अग्रहरि के छह अगस्त 2019 को पहली किस्त की राशि 75000 रुपये विजय सिंह बघेल के हाथ में लोहारी के पूर्व सरपंच रोहित परस्ते के घर पर गवाह रोहित परस्तें कुलदीप केवट के सामने दिया दे दिया। वहीं उसके बाद विजय साहू के द्वारा मोबाइल पर कहा गया कि मैं ग्राम सिवनी मरवाही के स्कूलों का निरीक्षण करने आऊंगा तो बाकी पैसा दे देना। जहां किसी कारण वश पैसा व्यवस्था न होने पर विजय साहू के द्वारा मरवाही आकर कहा गया कि पैसा व्यवस्था हो जाये तो मेरे रायपुर निवास में आकर पैसा दे देना।

रायपुर पहुंचकर 1.75 लाख रुपए और मरवाही में एक लाख रुपए दिए

12 अगस्त 2019 को पीड़ित ने विजय साहू के मकान नया रायपुर सेक्टर 29 मकान क्रमांक 189 विजय सिंह बघेल, रोहित परस्ते, कुलदीप केवट, पंकज सिंह के सामने एक लाख पछतर हजार रुपये नगद विजय साहू के हाथ में दिया। जिसका पीड़ित ने वीडियो क्लीप भी बना लिया था। वहीं जब भी पीड़ित के द्वारा नौकरी को लेकर बातचीत की जाती तो विजय साहू के द्वारा टाल मटोल करके धीरे-धीरे एक वर्ष बीतने के बाद विजय साहू द्वारा पीड़ित के मोबाइल पर बताया कि मैं 15 अगस्त 2020 को सिवनी मरवाही पहुंचेगा तब तुम करीब एक लाख रुपये की व्यवस्था कर लेना। तभी मैं तुम्हारा नियुक्त पत्र दिखाउगां। जिसके बाद 18 अगस्त को पीड़ित राकेश अपने दोस्त पंकज सिंह के साथ सिवनी गांव मरवाही स्थित सरकारी अवास में एक लाख रुपये दिए। तब विजय साहू के द्वारा एक आदेश पत्र स्वंय के मोबाइल पर नियुक्ति पत्र पीड़ित को दिखलाया। जिस पर अपर सचिव शिक्षा विभाग की सील लगी हुई थी। वहीं विजय साहू द्वारा मुझे अपने विश्वास पर लाने के लिये साठ हजार रुपये का चेक दिया। दो माह बाद 22 अक्तूबर 2020 को और उसे नया रायपुर इन्द्रावती भवन में सेकेंड फ्लोर पर विजय साहू द्वारा बुलाया गया। उन्होंने कहा कि एक हप्ते बाद काम हो जायेगा। लेकिन उसके बाद से विजय साहू के द्वारा नौकरी की बात को लेकर पीड़ित राकेश अग्रहरि को हमेशा टाल मटोल करने लगा। जिसपर पीड़ित को खुद के साथ हुई ठगी का अहसास हुआ। विजय साहू से अपने दिए पैसे की मांग की। जब पैसा नहीं मिला तो पीड़ित ने मामले की लिखित शिकायत पुलिस में दर्ज कराई। जिसपर जांच शुरू हो गई है।

कार्यालय प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान दुर्ग छ.ग.
Email- dietdurg123@gmail.com
अछोटी

क्रमांक/189/निविदा/वित्त/2024-25   अछोटी, दिनांक 19.07.2024

संक्षिप्त निविदा सूचना

डाइट संस्थान में वित्तीय वर्ष 2024-25 में आयोजित होने वाले प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शालाओं के शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु भोजन व्यवस्था के लिए निविदा आमंत्रित किया जाता है. इच्छुक पंजीकृत फर्म, निविदा प्रकाशन की तिथि से 21 दिन के भीतर समय अपरान्ह 03.00 बजे तक बंद लिफाफे में प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान दुर्ग के नाम से प्रस्तुत करें. विलम्ब से प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा.

विवरण निम्नांकित है:-

क्र.	भोजन का विवरण	समय	विवरण
1	भोजन	भोजन 01.00 बजे एवं रात्रि 08.00 बजे	रोटी चावल (एच.एम.टी. या दुबराज) दाल, दो सब्जी (एक सुखी सब्जी), पापड़, आचार, सलाद, मीठा देना होगा.
2.	नास्ता	प्रातः 08.30 बजे	एक प्लेट खारा, एक प्लेट मीठा, प्रतिदिन खारा एवं मीठा में परिवर्तन होना चाहिए
3.	चाय	1. प्रातः 08.00 से 09.00 बजे के बीच (नास्ता के साथ) 2. 04.00 बजे अपरान्ह	दो बार चाय देना होगा

निविदा की आवश्यक शर्तों का अवलोकन डाइट दुर्ग के सूचना पटल से प्राप्त की जा सकती है.

प्राचार्य
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) दुर्ग छ.ग.

जी-242501246/1

मात्रात्मक त्रुटि के कारण नहीं मिल रहा था एसटी का लाभ

सीएम साय ने की संवेदनशील पहल, भारत सरकार को भेजा अनुशास प्रस्ताव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वर्षों से अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र प्राप्त करने की बाट जोह रही छत्तीसगढ़ की अनेक जातियों के लिए संवेदनशील पहल की है। पबिया, पविया, पवीया जाति को अनुसूचित जनजातियों की सूची में पाव जाति के साथ शामिल करने मुख्यमंत्री ने इन जातियों का नृजातीय अध्ययन प्रतिवेदन अनुशंसा सहित भारत सरकार के जनजाति कार्य मंत्रालय को आगे की कार्यवाही के लिए भेजा है।

मुख्यमंत्री ने महसूस किया जनजातियों का दर्द

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वयं भी अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं। उन्होंने बिरहोर, पहाड़ी कोरवा सहित अनुसूचित जनजातियों के लिए अपने सार्वजनिक जीवन के प्रारंभ से काम किया है, इसलिए वे जनजातियों का दर्द अच्छे से जानते हैं।

प्रदेश भर से आए पाव, पबिया, पविया, पवीया जाति के प्रतिनिधि मंडल ने विधायक रामकुमार यादव के नेतृत्व में विधानसभा के समिति कक्ष में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात कर उनकी इस संवेदनशील पहल के लिए आभार प्रकट किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधि मंडल को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोगों की लंबे समय से अनुसूचित जनजातियों की सूची में शामिल होने की मांग थी। राज्य शासन द्वारा अनुशंसा सहित प्रतिवेदन भारत सरकार को भेजा गया है। उम्मीद है इसका सकारात्मक परिणाम आएगा। उन्होंने बारिश के मौसम में प्रदेश भर से रायपुर आने के लिए प्रतिनिधि मंडल को धन्यवाद दिया।

प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि मध्य प्रदेश के समय उन लोगों के अनुसूचित जनजाति के प्रमाण पत्र बन रहे थे, लेकिन मात्रात्मक त्रुटि के कारण पिछले 22 वर्षों से प्रमाण पत्र बनना बंद हो गया है, इसकी वजह से हमारे बच्चों को अनुसूचित जनजाति वर्ग को मिलने वाले लाभ नहीं मिल पा रहे हैं।

हमारे बच्चे पढ़ाई-लिखाई में आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा भारत सरकार के जनजाति कार्य मंत्रालय को अनुशंसा सहित प्रतिवेदन भेजने के लिए धन्यवाद दिया। प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि पूरे प्रदेश में इन जातियों की जनसंख्या लगभग 22 हजार है। यूं तो ये लोग पूरे प्रदेश में पाए जाते हैं लेकिन प्रमुख रूप से चंद्रपुर, रायगढ़, लैलूंगा, खरसिया, पेंड्रा, मरवाही और जशपुर में रहते हैं। छत्तीसगढ़ के आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा पाव, पबिया, पविया, पवीया जाति का नृजातीय अध्ययन करने के बाद प्रतिवेदन तैयार किया है, जिसमें इन जातियों को लक्षणों के आधार पर अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की अनुशंसा की गई है।

विधायक रामकुमार यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय संवेदनशील मुख्यमंत्री हैं। आज उपस्थित जाति के लोग वास्तव में आदिवासी हैं, लेकिन उन्हें लाभ नहीं मिल पा रहा है। इनके हित में मुख्यमंत्री ने अच्छी पहल की है। उन्होंने समाज के सामाजिक भवन के लिए रायपुर में जमीन उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय अनुपात से बेहतर

शिक्षकों-विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात पर सीएम साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधानसभा में प्रश्नकाल में स्कूल शिक्षा के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में शिक्षकों और विद्यार्थियों का अनुपात राष्ट्रीय अनुपात से बेहतर है। उन्होंने बताया कि देश में 26 विद्यार्थियों के पीछे एक शिक्षक हैं जबकि प्रदेश में 21 विद्यार्थियों के पीछे एक शिक्षक है। उन्होंने बताया कि शिक्षकों की पदस्थापना में अब तक कुछ अव्यवस्थाएं थी। जिसके कारण शिक्षकों की कमी परिलक्षित हो रही थी। इन कारणों से सर्वप्रथम युक्तियुक्तकरण करना पहली प्राथमिकता होगी। कुछ स्कूलों में जहां विषय संकाय है वहां शिक्षक नहीं है। जहां विषय संकाय नहीं है वहां शिक्षक हैं। कुछ स्थानों पर राज्य के अनुपात से भी बहुत कम विद्यार्थियों पर शिक्षक है। कुछ स्थानों पर तो 4-5 विद्यार्थी पर एक शिक्षक है। युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया हेतु ऐसे स्कूलों का चिन्हांकन किया जा रहा है और शीघ्र ही सभी स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना कर दी जाएगी। इससे सभी स्कूलों में शिक्षक उपलब्ध हो जाएंगे और शिक्षा का स्तर और भी अच्छा हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि शिक्षकों की व्यवस्था के साथ ही अधोसंरचना विकास पर भी हम काम कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में शिक्षक और विद्यार्थियों का अनुपात राष्ट्रीय औसत से भी बेहतर है। युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया पूरी होने से सभी स्कूलों में शिक्षक मिल सकेंगे। साय सरकार द्वारा किये जा रहे युक्तियुक्तकरण का सकारात्मक असर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर पड़ेगा और ऐसे स्कूलों में भी शिक्षक मिल जाएंगे जहां शिक्षकों की कमी की वजह से शिक्षा प्रभावित हो रही है।

40 युवा हुए आवासीय तीरंदाजी अकादमी के लिए चयनित

अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज व प्रशिक्षक निखारेंगे गुर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा रायपुर में संचालित आवासीय तीरंदाजी अकादमी के लिए 20 बालक तथा 20 बालिकाओं का चयन किया गया है। राज्य स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन 25 एवं 26 जून को रायपुर के स्वामी विवेकानन्द स्टेडियम एवं खेल संचालनालय परिसर तीरंदाजी एरिना में सम्पन्न हुआ।

खेल संचालक तनुजा सलाम के निर्देश पर चयन ट्रायल के नोडल अधिकारी चेतन कुमार श्रीवास प्रशासक खेल अकादमी रायपुर के द्वारा चयन ट्रायल सुव्यवस्थित तरीके से कराया गया। चयन समिति में भारतीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केन्द्र रायपुर तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के (एन.आई.एस.) प्रशिक्षक शामिल रहे। चयनकर्ताओं के द्वारा खिलाड़ियों के फिटनेस से संबंधित मोटर एबिलिटी टेस्ट, मेडिकल टेस्ट, स्पोर्ट्स स्कील टेस्ट एवं मेंटल एबिलिटी टेस्ट लिये गए। निर्धारित मानकों को पूरा करने वाले खिलाड़ियों को ही प्रदर्शन के आधार पर मेरिट क्रमानुसार 13 से 17 वर्ष आयुवर्ग के खिलाड़ियों का चयन किया गया है।

प्रदेश भर से आए खिलाड़ियों ने चयन ट्रायल में भाग लिया, इसमें राज्य के जिले रायपुर से 05 बालिका और 09 बालक, सरगुजा से 07 बालिका, धमतरी से 02 बालक और 04 बालिका, महासमुंद से 05 बालिका और 02 बालक, नारायणपुर से 03 बालक, बिलासपुर से 01 बालक, कोण्डागांव से 01 बालक एवं गरियाबंद जिले से 01 बालिका का चयन किया गया है। इन चयनित खिलाड़ियों को 10 दिवस के भीतर अकादमी में प्रवेश दिया जाएगा। यदि चयनित खिलाड़ी में से कोई प्रवेश लेने में असमर्थ रहता है, तो प्रतीक्षा सूची में से मेरिट के आधार पर प्रवेश देने की कार्यवाही की जाएगी।

खेल अकादमी में प्रवेश लेने वाले खिलाड़ियों को खेल अकादमी संचालन नियम-2014 के अंतर्गत नि:शुल्क आवास, भोजन, शैक्षणिक सुविधा, परिधान, प्लेइंग किट, दुर्घटना बीमा एवं प्रतियोगिताओं में सहभागिता आदि सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। आवासीय खेल अकादमी के खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार किया जाएगा। इसके लिए राज्य शासन के द्वारा एन.आई.एस. प्रशिक्षकों की भर्ती की गई है। समय-समय पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाजी खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को खेल अकादमी में आमंत्रित कर विशिष्ट प्रशिक्षण का आयोजन भी कराया जाएगा।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान: राज्य सूचना आयोग में किया गया वृक्षारोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर एक वृक्ष माँ के नाम अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में लगातार वृक्षारोपण किया जा रहा है। इसी तारतम्य में छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग में भी एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया।

नवा रायपुर स्थित आयोग कार्यालय के परिसर में आयोग के सचिव गोपाल वर्मा सहित उप सचिव श्रीमती आभा तिवारी, अवर सचिव गीता दीवान, अतुल वर्मा, प्रदीप गौर, श्रीमती रजनी सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने वृक्षारोपण किया। वृक्षारोपण में आम, अमरूद, जामुन, करौंदा, अनार, पीपल, बड़, नीम, सीताफल, सन्तरा, आँवला, चीकू, नीबू आदि फलदार पौधों के साथ ही पारिजात, मोंगरा, कचनार, मधुमालती, गुलमोहर आदि फूलों के पौधे लगाए गए। इस दौरान सूचना आयोग के कर्मचारियों ने पौधों को अपनी माँ को समर्पित कर पौधों की सुरक्षा करने का भी संकल्प लिया।

मनरेगा में लापरवाही, रोजगार सहायक बर्खास्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत जिले में रोजगार मुखी एवं जल संवर्धन के काम द्रुत गति से कराए जा रहे हैं । जिले के पंजीकृत परिवारों को उनकी मांग के अनुसार नियमित रूप से रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

माह जुलाई तक जिले के लिए निर्धारित लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त कर लिया गया है। महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत योजना क्रियान्वयन के संबंध में प्राप्त शिकायतों का निराकरण भी जिला प्रशासन द्वारा त्वरित रूप से किया जा रहा है।

इसी क्रम में कलेक्टर रणबीर शर्मा के आदेशानुसार जिला पंचायत सीईओ टेकचंद अग्रवाल ने जनपद पंचायत साजा के ग्राम पंचायत हाथीडोब में मनरेगा के कार्य में अनियमितता बरते जाने संबंधी शिकायत सही पाए जाने पर सर्व संबंधितों (सरपंच/ सचिव/ रोजगार सहायक/तकनीकी सहायक) से अनियमित भुगतान राशि की वसूली की जाकर सचिव ग्राम पंचायत की आगामी एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोक दी गई है। साथ ही तकनीकी सहायक श्रीमती हेमलता सिन्हा को मनरेगा में संपादित नाली निर्माण कार्य में प्राप्त शिकायत की जांच में महात्मा गांधी नरेगा प्रावधानों के विपरीत कार्य करते हुए अनियमितता बरती गई है। शासकीय कार्य में अनियमितता व लापरवाही बरतने हेतु उनके सेवा अवधि में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं की जाने की कार्यवाही की गई हैं। रोजगार सहायक श्रीमती हेमलता सिन्हा की सेवा समाप्त कर जिला प्रशासन द्वारा यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि योजना में किसी प्रकार की गड़बड़ी सही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इनके स्थान पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत कार्यों के संपादन हेतु सुलेश्वर वर्मा ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत पथरीखुर्द को ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत हाथीडोब का अतिरिक्त प्रभार आगामी आदेश पर्यन्त तक सौंपा गया है।

पीएम आवास में सियाबती का सपना किया साकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सुशासन की सरकार और संवेदनशील सरकार ने आवासहीन परिवारों को पक्की छत देने के लिए कृतसंकल्पित है। यह योजना न केवल लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में सहायक है, बल्कि उन्हें एक सुरक्षित और स्थिर आवास भी प्रदान करती है। मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन में गरीब परिवारों को उनका खुद का पक्का मकान मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार की इसी पहल से नारायणपुर जिले के ग्राम पंचायत टीमनार निवासी सियाबती पिता मानकू का पक्का मकान बनाने का सपना साकार हुआ है। सियाबती ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना उनके लिए वरदान साबित हुई है। उन्होंने पुराने दिनों की कठिनाइयों को याद करते हुए बताया कि पहले कच्चे घरौंदे में रहना काफी तकलीफदायक था। मौसम के अनुसार विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कभी छत टपकती थी तो कभी ठंड से रात भर नींद पूरी नहीं होती थी। अब पक्का मकान मिलने से उनकी ये समस्याएं दूर हो गई हैं। प्रधानमंत्री आवास पूर्ण होने से हितग्राही बहुत खुश हैं एवं अपने नवीन आवास में निवासरत हैं।

हितग्राही अब स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शौचालय एवं उज्ज्वला योजना अंतर्गत गैस कनेक्शन से लाभान्वित है। सियाबती ने जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और लाभ पहुंचाने के देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है, जिससे वे बिना परेशानियों का अपना जीवन व्यतीत कर सकें। आज इस योजना का लाभ सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी मिल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सुशासन की सरकार और संवेदनशील सरकार ने इस योजना के माध्यम से कई परिवारों की जिंदगी को बदल दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना न केवल लोगों को आवास प्रदान करती है, बल्कि उन्हें एक सुरक्षित और स्थिर जीवन जीने का अवसर भी देती है। यह योजना प्रदेश में उन सभी लोगों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आई है जो अपने घर का सपना देख रहे हैं।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

हितग्राहियों को प्रतिमाह मिलेगा 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत शासन द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत देश के एक करोड़ घरों के छतों पर सौर पैनल स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही 78000 तक की अधिकतम सब्सिडी तथा सस्ते ब्याज पर लोन भी प्रदान की जाएगी। क्रेडा के जिला प्रभारी ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत शहरी स्थानीय निकायों और पंचायतों को भी अपने अधिकार क्षेत्र में छत पर सौर प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से अधिक आय, कम बिजली और नवीन रोजगार सृजन होगा तथा नवीनीकृत ऊर्जा स्त्रोत के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि छतों पर सौर पैनल स्थापना हेतु हितग्राहियों को प्राप्त होने वाले अनुदान के अंतर्गत रूफ्टॉप सोलर प्लांट की क्षमता 01 से 02 किलोवॉट तथा 0 से 150 यूनिट विद्युत खपत होने पर 30 हजार से 60 हजार रूपये की राशि का अनुदान प्रदान की जाएगी। इसी तरह रूफ्टॉप सोलर प्लांट की क्षमता 2 से 3 किलोवॉट तथा 150 से 300 यूनिट विद्युत खपत होने पर 60 हजार से 78 हजार रूपये की अनुदान प्रदान की जाएगी। इसी तरह रूफ्टॉप सोलर प्लांट की क्षमता 03 किलोवॉट तथा 300 यूनिट से अधिक विद्युत खपत होने पर 78 हजार रूपये की अनुदान प्रदान की जाएगी।

जिला प्रभारी क्रेडा ने बताया कि इसके लिए लाभार्थियों के बैंक खाते में सीधे अनुदान राशि का अंतरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा हितग्राहियों को बैंक खाते में सीधे दी जाने वाली सब्सिडी से लेकर रियायती बैंक ऋण सुनिश्चित की जाएगी। जिससे हितग्राहियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। योजना का लाभ लेने हेतु हितग्राही प्रधानमंत्री सूर्य घर डॉट जीओवी डॉट इन या प्रधानमंत्री सूर्य घर ऐप्प डाउनलोड कर पंजीयन कर सकते हैं। योजना का लाभ लेने के ईच्छुक हितग्राही क्रेडा जिला कार्यालय बलौदाबाजार में कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर योजना से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ अपना पंजीयन करा सकते हैं।

इसके साथ ही क्रेडा जिला कार्यालय के सहायक अभियंता श्री इंदुभूषण साहू, मोबाईल नंबर +91-9907477333, श्री करण सोनी उप अभियंता,मोबाईल नंबर +91-8085550307 तथा श्री खगेश साहू के मोबाईल नम्बर +91-9329677725 से संपर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950